E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -169 | प्रयागराज, बुधवार 24 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

पाकिस्तान एयरफोर्स ने अपने ही लोगों पर बमबारी कर दी,महिलाओं-बच्चों समेत 30 की मौत,सेना बोली- यहां तालिबान बम बना रहा था

कराची। पाकिस्तानी वायुसेना ने रविवार रात 2 बजे अपने ही देशवासियों पर चीन के जे-17 विमानों से 8 लेजर-गाइडेड बम गिराए। पाकिस्तानी वायुसेना ने यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के एक गांव पर किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हवाई हमले में करीब 30 लोग मारे गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, न्यूज एजेंसी पीटीआई ने 24 लोगों के मारे जाने की बात कही है। इस हमले से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, लेकिन उनकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सेना का कहना है कि इन हमलों का टारगेट तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का बम बनाने वाला ठिकाना था। लोकल पुलिस ने मीडिया को बताया कि टीटीपी के दो कमांडर, अमान गुल और मसूद खान बम बनाकर मस्जिदों में छिपा रहे थे। इलाके के लोगों का कहना है कि सरकार और सेना पुख्ता जानकारी के बिना हमले कर रही है, जिससे आम लोग मर रहे हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस घटना की तुरंत और निष्पक्ष जांच की मांग की है। एचआरसीपी ने अपने बयान में कहा- सरकार का काम है कि वह हर नागरिक की जान की रक्षा करे, लेकिन वह ऐसा करने में बार-बार नाकाम रही है। डॉन न्यूज ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि जेट विमानों ने चार घरों पर हमला किया, जो पूरी तरह से तबाह हो गए। हालांकि, यह साफ नहीं है कि यह पाकिस्तानी सेना के विरोधी गुट के लोग शामिल थे। इनकी लड़ाई पाकिस्तान की सेना और सरकार के खिलाफ है।इस संगठन से जुड़े कई समर्थक पाकिस्तानी सेना में मौजूद

हमला किसने किया। खैबर के सांसद मोहम्मद इकबाल खान अफरीदी ने कहा कि जेट्स की बमबारी में नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने लोगों से घटनास्थल पर जाकर विरोध करने को कहा। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी): पाकिस्तान का विद्रोही संगठन-2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया। इसमें बड़ी संख्या में हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान को चेताया है कि टीटीपी एटमी हथियारों तक पहुंच सकता है। पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों? 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वे इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए। टीटीपी पश्तून समुदाय की गरीबी, बेरोजगारी और सरकार की अनदेखी जैसी शिकायतों का फायदा उठाता है। 2022 से टीटीपी ने पाकिस्तान पर हमले तेज किए- पाकिस्तान अक्सर आरोप लगाता है कि पाकिस्तानी तालिबान अफगानिस्तान के जमीन का इस्तेमाल करके उस पर आतंकी हमले करता है। हालांकि पाकिस्तान के इन आरोपों को अफगानिस्तान खारिज करता रहा है। अफगानिस्तान में 2021 के तालिबान की वापसी के साथ ही पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) मजबूत हुआ है। टीटीपी ने नवंबर 2022 में पाकिस्तान के साथ सीजफायर को एकतरफा तौर पर खत्म कर दिया था। इसके बाद उसने पाकिस्तान पर हमले तेज कर दिए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान दूसरे नंबर पर-ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 के मुताबिक, बुर्किना फासो के बाद पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे आतंक प्रभावित देश बन चुका है, जबकि 2024 में यह चौथे स्थान पर था। टीटीपी के हमलों में 90फीसदी की वृद्धि हुई है।

राज्यपाल बोलीं- हॉस्टल की लड़कियां ले रहीं ड्रग्स,अब यूनिवर्सिटी में नहीं आएगा कोई ऑनलाइन आर्डर

मेरठ। मेरठ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- ऐसी पढ़ाई का क्या फायदा, जब बच्चे ड्रग्स का सेवन करने लगे। सुनने में आया है कि कुछ छात्राएं भी ड्रग्स लेती हैं। छात्राएं एक तरफ मेडल जीत रहीं, दूसरी तरफ हॉस्टल में गलत संगत के कारण ड्रग्स का सेवन कर रही हैं। ये उनके और उनके परिवार के लिए हानिकारक है। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा- मैंने जैसे ही ये सुना, तो सुनते ही मुझे आत्मघात करने जैसा लगा। अब यूनिवर्सिटी में कोई भी ऑनलाइन-ऑफलाइन ऑर्डर नहीं आएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सीसीएसयू के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए बीते 3 दिन से यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस में रुकी हुईं थीं। इस दौरान उन्होंने हॉस्टल का निरीक्षण किया। वहां की गतिविधियों को वॉच किया। तब उन्हें इस बात का पता चला। सोमवार को मेधावियों को मेडल देने के बाद राज्यपाल ने कहा- मैं तीन दिन से यहां हूं। काफी बातें सुनी हैं। भारत सरकार का उद्देश्य है कि हमारा देश ड्रग्स मुक्त हो। इसी वजह से मैराथन दौड़ शुरू कराई गई। क्यों भाई क्या फायदा है इन सबका?

फ्लाइट के लैंडिंग गियर में छुपकर दिल्ली आया13 साल का लड़का बोला- देखना था कैसा लगता है,देखने के बाद पूछताछ कर वापस अफगानिस्तान भेजा

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान से एक 13 साल का लड़का प्लेन के लैंडिंग गियर में छुपकर भारत आ गया। यह घटना रविवार, 21 सितंबर की है। अफगानिस्तान की केएम एयरलाइन की फ्लाइट आरक्यू -4401 काबुल के हामिद करजई एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 8:46 बजे रवाना हुई और सुबह 10:20 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर उतरी।एयरलाइन कर्मचारियों ने फ्लाइट के पास एक लड़के को घूमते देखा। उन्होंने तुरंत अधिकारियों को तुरंत सूचित किया। इसके बाद सीआईएसएफ ने लड़के को हिरासत में ले लिया और पुलिस को सौंप दिया। लड़के ने अधिकारियों को बताया कि उसने जिज्ञासा की वजह ऐसा किया। वह देखना चाहता था कि कैसा लगता है। लड़का अफगानिस्तान के कुंदुज शहर का रहने वाला है। सोमवार को अधिकारियों ने बताया कि लड़का काबुल एयरपोर्ट में घुस गया था और किसी तरह विमान के पिछले लैंडिंग गियर कम्पार्टमेंट में घुसने में कामयाब रहा। विमान की पूरी जांच के बाद इसे सुरक्षित घोषित किया गया। उसी दिन लड़के को उसी फ्लाइट से अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया। सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, विमान में पहिये के पास छिपकर यात्रा करना बेहद खतरनाक होता है। 30 हजार फीट की ऊंचाई पर तापमान माइनस 40 से माइनस 60ष्ट0से. तक गिर जाता है और ऑक्सीजन भी बेहद कम हो जाती है, जिससे कुछ ही मिनटों में बेहोशी या मौत हो सकती है। हालांकि इस मामले में एजेंसियां हैरान हैं कि लड़का कैसे जिंदा बच गया। क्योंकि लैंडिंग गियर कम्पार्टमेंट विमान के सबसे निचले हिस्से में होता है। इसमें सुरक्षा उपकरण, ब्रेक सिस्टम और हाइड्रोलिक पाइप होते हैं। इस तरह के छिपने के प्रयासों में जीवित रहने की दर बेहद कम है, दुनियाभर में केवल लगभग 20फीसदी ही जीवित बचते हैं। अफगानिस्तान में 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। काबुल पर तालिबान के कंट्रोल के बाद कई लोग देश छोड़ने के लिए इंटरनेशनल एयरपोर्ट में घुस गए थे। अफगानी नागरिक बस किसी भी तरह देश से बाहर निकलना चाहते थे। अमेरिका ने अपने लोगों और सेना को वापस बुलाने के लिए मिलिट्री प्लेन भेजे थे। सैकड़ों अफगान नागरिक अमेरिका जाने के लिए मिलिट्री प्लेन में सवार हो गए थे। कुछ अफगान लोग अमेरिकी प्लेन के पहिए से लटक गए थे, इस दौरान कुछ लोगों की आसमान से गिरने से मौत हो गई थी।

कोलकाता में दुर्गापूजा की धूम के बीच भारी बाढ़-बारिश से 5की मौत,सड़कों पर 3 फीट तक पानी से जनजीवन अस्तव्यस्त

हावड़ा। देश में सभी हिस्सों में बाढ़ बारिश मॉनसून लौट रही

हैं पर लौटते-लौटते भी लोगो की जान सांसत में फसी हैं बात अगर कोलकाता की करें तो कोलकाता का सबसे बड़ा आयोजन ही दुर्गापूजा माना जाता हैं ऐसे में वहां रिकॉर्ड बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया हैं में पश्चिम बंगाल के कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में रातभर की बारिश से मंगलवार को बाढ़ आ गई। अब तक 5 लोगों की मौत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेनियापुकुर, कालिकापुर, नेताजी नगर, गरियाहाट और इकबालपुर में अलग-अलग घटनाओं में मौतें हुई हैं।कोलकाता में सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है। कई जगह के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गाड़ियां आधी से ज्यादा डूबी हुई दिखीं। कई घरों और रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में भी पानी घुस गया है। शहीद खुदीराम और मैदान मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा रोक दी गई है। कोलकाता मेट्रो रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिणेश्वर और मैदान स्टेशनों के बीच ट्रेनों की संख्या घटाई गई है। हावड़ा में भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक और दुकानें जलमग्न हो गई हैं। बारिश से दुर्गा पूजा की तैयारियां भी प्रभावित हुई हैं। कहीं पंडाल डूब गए तो कई खराब हो गए हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पुडुचेरी, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में यलो अलर्ट जारी किया है।कोलकाता में रात भर बारिश के बाद इंडिगो एयरलाइन ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा- कोलकाता में आज भारी बारिश की आशंका है। इसलिए एयरपोर्ट से आने-जाने वाली फ्लाइट्स में देरी और यातायात धीमा होने की संभावना है। एयरलाइन ने कहा- आसमान पर हमारा कंट्रोल नहीं है। फिर भी ग्राउंड पर आपकी यात्रा सुचारू रखने के लिए हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। अपनी फ्लाइट की स्टेटस जांच लें और थोड़ा जल्दी एयरपोर्ट पहुंचने की कोशिश करें। कोलकाता में बारिश से दुर्गा पूजा प्रभावित, कई पंडाल जलमग्न।

भाजपा की लोकसभा चुनाव में सीटें घटीं, इसलिए घटाई जीएसटी:टीएमसी सांसद अभिषेक बोले- जिस दिन कोई सीट नहीं होगी, जीएसटी 0फीसदी हो जाएगी

हावड़ा। तृणमूल कांग्रेस नेता (टीएमसी) अभिषेक बनर्जी ने आरोप

लगाया कि केंद्र सरकार ने जीएसटी में कटौती इसलिए कि क्योंकि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत नहीं मिला था। यही इसका सीधा नतीजा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या पिछले 8 साल से सरकार जीएसटी के नाम पर जनता से ज्यादा टैक्स लिया गया? बंगाली में कहते हैं कि बिल्ली तब तक पेड़ पर नहीं चढ़ती जब तक उसे खतरा न हो। बनर्जी ने कहा- 'लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 60 सीटें गंवाईं। संख्या 303 से घटकर 240 रह गई। इसलिए जीएसटी भी 27फीसदी से 18फीसदी तक घटी। उनकी सीटें और कम होतीं, तो ये 9फीसदी हो जाती। जिस दिन भाजपा के पास कोई सीट नहीं रहेगी, तब जीएसटी 0 हो जाएगी।' दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर में दुर्गा पूजा गाइड मैप और टेलीफोन डायरेक्टरी का उद्घाटन किया। साथ ही विशेष साइबर सेल भी शुरू किया। इसी दौरान जीएसटी पर बयान दिया।अभिषेक ने कहा कि आज देश और उसकी अर्थव्यवस्था को भाजपा सरकार ने घुटनों पर ला दिया है। हमने देखा कि राज्यों से कोई भी सिफारिश कभी ध्यान में नहीं ली गई। राज्यों के लिए जीएसटी कलेक्शन का हिस्सा, जो उनका सही हिस्सा है, समय पर नहीं दिया जाता। विपक्ष-शासित राज्यों का फंड जानबूझकर रोका जाता है। यह अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के कारण बहुत नुकसान हुआ, इसका कारण भाजपा है। भाजपा अभी तक यह नहीं बता पाई कि अचानक लिए इस फैसले के कारण कितने लोगों की मृत्यु हुई। केंद्र सरकार ईडी-सीबीआई जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसियों का राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने के लिए इस्तेमाल कर रही है।वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने जीएसटी दरें घटाने के बाद राज्यों पर वित्तीय बोझ डाल दिया है।

हमारे देश का इकलौता ज्वालामुखी फटा, अंडमान-निकोबार के बेरन आइलैंड में 8 दिन में 2 बार धमाका

नयी दिल्ली। अंडमान-निकोबार के बेरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे। बेरन आइलैंड पोर्टब्लेयर से समुद्र के रास्ते करीब 140 किलोमीटर दूर है।

ओडिशा के भुवनेश्वर में टैक्सी ड्राइवर के अपहरण और आत्महत्या के मामले में चार लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के पहचान खुरदा जिले के अरंगा गांव

भुवनेश्वर में पुलिस ने टैक्सी ड्राइवर के अपहरण-हत्या केस में 4 लोगों को गिरफ्तार किया। मृतक की निवासी विद्याधर साहू के रूप में हुई थी। उसका शव शनिवार को जुझगड़ा गांव के पास पितापल्ली-बरंगा रोड पर बरामद हुआ था।पुलिस के मुताबिक, आरोपी और उनके कुछ साथियों ने साहू को इसलिए किडनैप किया था क्योंकि साहू ने इन लोगों से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए ठगे थे। आरोपियों ने साहू की पत्नी से रु1.5 करोड़ की फिरौती की मांग थी।15 सितंबर को आरोपी साहू को जबरदस्ती जाजपुर ले गए। वहां एक घर में उसे किडनैप करके रखा। 19 सितंबर को साहू की मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने उसका शव और टैक्सी छुपा दी थी। साहू की पत्नी ने 19 सितंबर को बादगड़ा पुलिस स्टेशन में उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

संगमनगरी में बमबाजी कर फैलाई दहशत,धमाका और धुएं के गुबार से भगदड़, आरोपियों की तलाश में छापेमारी

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र में देर रात बमबाजी की घटना

से हड़कंप मच गया। सोमवार रात करीब 9 बजे दरियाबाद मोहल्ले में एक अज्ञात युवक ने एक मकान को निशाना बनाकर बम फेंका। धमाके के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें एक दुबली-पतली कद काठी का युवक टी-शर्ट पहने पैदल आता दिख रहा है। वह कुछ देर इधर-उधर देखने के बाद अपनी जेब से बम निकालता है और एक मकान की ओर फेंक देता है। बम फटते ही जोरदार धमाका होता है और आस-पास धुआं फैल जाता है। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो जाता है। 51 सेकेंड की सीसीटीवी फुटेज में यह भी दिख रहा है कि युवक के भागते ही कुछ स्थानीय लोग उसका पीछा करने की कोशिश करते हैं। अतरसुइया थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि घटना में शामिल युवक की पहचान 'भूरी' नामक बदमाश के रूप में की गई है। हालांकि, अब तक हमले के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

बीजेपी नेता को मरने वाला डॉ.उदय पुलिस रिमांड में बोला- लाश को न्यूड कर देता तो पकड़ा ही नहीं जाता

प्रयागराज। उदय जिसने पूर्व जिला पंचायत सदस्य और भाजपा नेता रणधीर यादव की हत्या की। पुलिस ने सोमवार को उसे और उसके चचेरे भाई विजय यादव को 12 घंटे की रिमांड पर लिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। मर्डर करने के पीछे की वजह को जाना। डॉ. उदय ने कहा- उसके घरवाले भी तड़प-तड़पकर ऐसी ही मौत मरे। ताकि लोगों को पता चले कि बुरे काम के बुरे नतीजे होते हैं। डॉ. उदय ने कहा- 'हां...मैंने ही उसे (रणधीर) मार दिया। वो इसी लायक था। उसकी लाश घर वालों को मिलनी नहीं चाहिए थी। उसके शव के और टुकड़े हो जाते तो पहचान ही नहीं हो पाती। मुझसे बस एक गलती हो गई। लाश से कपड़े नहीं हटाए। न्यूड कर देता, तो मैं पकड़ा नहीं जाता।' नवाबगंज पुलिस की रिमांड पर दोनों आरोपी सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक रहे। सुबह पुलिस ने नैनी सेंट्रल जेल से उदय और विजय की सुपुर्दगी ली। बेली अस्पताल में दोनों का मेडिकल कराया। फिर दोनों को नवाबगंज थाने में लाया गया।यहां पुलिस अधिकारियों ने पहले उदय यादव से पूछताछ की। पुलिस ने सवाल किया- रणवीर को क्यों मारा, उससे तुम्हारी क्या दुश्मनी थी? उदय ने जवाब दिया (गुस्से में) वो मेरा दोस्त, उसने दोस्ती में दगा किया। समाज में मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया।वैसे वह इसी

के काबिल था कि उसे तड़पा-तड़पाकर मारा जाए। आरोपी कैसे रणधीर को स्कॉर्पियो से लेकर गए? कहां मर्डर किया? फिर रेलवे ट्रैक पर कैसे रखा? पुलिस ने सीन रीक्रिएट किया। शाम को दोनों आरोपियों को मेडिकल कराने के बाद जेल में दाखिल कर दिया गया।पुलिस ने दूसरा सवाल किया, रणवीर का मोबाइल और उसकी लाइसेंसी राइफल कहां है? उदय ने जवाब दिया, उसका मोबाइल कहां है, मुझे नहीं पता। जैसे लाश के टुकड़े हुए वैसे मोबाइल के भी टुकड़े हो गए होंगे। लाइसेंसी राइफल के बारे में मैं नहीं जानता। मैंने जब उसका अपहरण किया था तो राइफल स्कार्पियो में थी। अब कहां है, मैं नहीं जानता। मगर मेरे पास नहीं है। उदय बोला- इससे अधिक मुझे और कुछ नहीं कहना, मैं अपने बयान जेल में दे चुका हूं। अब कोर्ट में जवाब दूंगा। इसके बाद विजय से पुलिस ने सवाल किए। फिर दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। विजय यादव ने कहा- उदय ने जो कहा, वो सब सच है। उसका मोबाइल मैं नहीं ले गया। राइफल के बारे में मैं नहीं जानता। इसके बाद पुलिस दोनों को हथिगहां के उस स्पाट पर लेकर गई। जहां से उदय और उसके साथी स्कॉर्पियो में सवार हुए थे। जहां से भाजपा नेता रणवीर का किडनैप किया था। उनके बताने के अनुसार पुलिस दोनों को फाफामऊ लेकर गई। जहां रास्ते में स्कार्पियो के अंदर भाजपा नेता की हत्या की थी।

दिल्ली के नेशनल म्यूजियम से डांसिंग गर्ल की रेप्लिका चोरी में प्रोफेसर गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हरियाणा की एक निजी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है, जिस पर नेशनल म्यूजियम से प्रसिद्ध डांसिंग गर्ल की प्रतिकृति चोरी करने का आरोप है। घटना 20 सितंबर को हुई थी, जब प्रोफेसर को सीआईएसएफ ने म्यूजियम में पकड़ा था।पुलिस के मुताबिक, चोरी का पता लगभग दोपहर 2.40 बजे तब चला जब अनभव गैलरी में सीआईएसएफ कर्मियों ने रेप्लिका गायब देखी। उन्होंने तुरंत तलाशी अभियान चलाया और आरोपी को कैंपस से अंदर पकड़ा। चोरी गई रेप्लिका भी आरोपी से बरामद की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नीलामी नोटिस के बाद गिरवी रखी संपत्ति नहीं छुड़ा सकते

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा है कि अगर किसी संपत्ति की नीलामी का नोटिस छप चुका है, तो उधारकर्ता उस संपत्ति को वापस नहीं ले सकता। कोर्ट ने बताया कि बैंक या वित्तीय संस्था द्वारा नीलामी प्रमाणपत्र जारी होने के बाद खरीदार के अधिकार अटल हो जाते हैं। यह फैसला सरफेसी एक्ट की धारा 13(8) के तहत दिया गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि 2016 में इस धारा में हुए संशोधन उन मामलों पर भी लागू होगा, जहां कर्ज पहले लिया गया था लेकिन भुगतान 1 सितंबर 2016 के बाद डिफॉल्ट हुआ।

प्रियम राज रस्तोगी बनी ऑल इंडिया मीसीटर इंडिया ग्लोबी की द्वितीय रनर-अप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) महराजगंज/रायबरेली। प्रतिभाएं

निखर कर ही रहती है। एक छोटे से कस्बे में निवास करने वाली प्रियम राज रस्तोगी ने यूपी मिशटर इंडिया ग्लोबल प्रतियोगिता में द्वितीय रनर - अप का खिताब अपने नाम किया है। महाराजगंज रायबरेली निवासी कमलेश रस्तोगी की बहू ने यह खिताब जीतकर रायबरेली का मान बढ़ाया है। प्रियम राज रस्तोगी सुल्तानपुर के प्रसिद्ध उद्योगपति सुरेश कुमार सोनी के यहां जन्म लिया है। इनकी मां का नाम विमला सोनी है ।बचपन से ही प्रियम राज शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहती थी। उनकी रुचि फैशन ,आर्ट एंड कल्चर, समाज सेवा, एवं महिला सशक्तिकरण की रही है। इसमें इनका पूरा सहयोग परिवार का शादी के बाद भी जारी रहा। उनके पति अंकुर रस्तोगी आई.आई.एम.से पास आउट हैं। उनका एवं उनकी मां मीना रस्तोगी और पिता कमलेश रस्तोगी का पूरा सहयोग प्रियम राज के प्रति रहा है । उन्होंने अपनी उपलब्धि को महिला सशक्तिकरण और समाज सेवा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले समय में समाज की महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करेंगी। प्रियम राज की इस सम्मानजनक उपलब्धि के लिए परिवार, रिश्तेदारों ,मित्रों, स्थानीय समाज सेवियों तथा जनपद वासियों में खुशी की लहर है और सभी उनको भविष्य में और ऊंचाइयों को हासिल करने हेतु शुभकामनाएं दी है।

मत्स्य पालन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्पः मा0 सभापति वीरू साहनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को उत्तर प्रदेश

मत्स्य जीवी सहकारी संघ लिमिटेड, लखनऊ के मा0 सभापति वीरू साहनी की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मत्स्य पालन से जुड़ी योजनाओं, सहकारी समितियों की वर्तमान स्थिति तथा मछुआरों के उत्थान हेतु संचालित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभापति साहनी ने अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय प्रतिनिधियों से तहसीलवार प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का एक सशक्त माध्यम है। सहकारी समितियों के माध्यम से अधिक से अधिक मछुआरों को जोड़कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना ही प्राथमिकता है, ताकि उनकी आजीविका सुरक्षित और स्थायी हो सके। बैठक में अधिकारियों ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया कि जिले में तालाबों के पुनर्जीवन, मत्स्य बीज की उपलब्धता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस पर श्री साहनी ने पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों की मजबूती ही मछुआरों की प्रगति का आधार है, अतः सभी समितियों को सक्रिय किया जाए। बैठक में एडीएम (न्यायिक) विशाल यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास प्राधिकरण इरफ़ानउल्ला खान, अग्रणी जिला प्रबंधक रूपेश दुबे सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति,पर्यावरण समिति व गंगा समिति की सयुक्त बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की संयुक्त बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में सीडीओ अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।एडीएम प्रशासन ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जनपद में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वृक्षारोपण कार्य पूरा कराया गया है।उनकी जिओ टैगिंग और सुरक्षा सुनिश्चित करायेंगे। जिन विभागों ने जिओ टैगिंग नहीं कराई है शीघ्र करा लें। वृक्षों के संरक्षण हेतु आवश्यक सुरक्षा उपाय जैसे ट्री गार्ड, नियमित सिंचाई एवं देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पर्यावरण समिति की बैठक में एडीएम ने प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक प्रतिबंध, वर्षा जल संचयन एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर जनजागरूकता कार्यक्रम चलाएं।जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा स्वच्छता, घाटों की सफाई, सीवेज प्रबंधन एवं जल गुणवत्ता सुधार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि गंगा के किनारे बसे क्षेत्रों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा 'नमामि गंगे' अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए। एडीएम ने सभी को समयबद्ध कार्य निष्पादन एवं बेहतर समन्वय के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ ,डीएफओ मयंक अग्रवाल, विभागों के अधिकारी, पर्यावरण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

खरीफ वर्ष 2025 की डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा बैठक संपन्न,सीडीओ ने दी चेतावनी सर्वे कार्य समय से न होने पर संबंधित पर होगी कड़ी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खरीफ वर्ष 2025 की डिजिटल क्रॉप सर्वे की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में ई खसरा पड़ताल के तहत अपलोड ग्रामों की संख्या, गाटों की संख्या, सर्वेयर की आवश्यकता, सर्वेयर की उपलब्धता आदि की समीक्षा की गई। उन्होंने तहसीलवार क्रॉप सर्वे के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सीडीओ ने कहा कि सर्वे तय समय में पूरा कराया जाए। सभी खंड विकास अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिया कि जहां पर भी क्रॉप सर्वे में समस्या आ रही है समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करते हुए सर्वे का कार्य पूरा कराया जाए। साथ ही कहा कि जिन भी क्षेत्रो में सर्वेयर ने कार्य पूर्ण नहीं किया है या अभी सर्वे कार्य प्रारंभ नहीं किया है 30 सितंबर से पहले सर्वे करके अवगत कराए अन्यथा की दशा में उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इसके माध्यम से किसानों की वास्तविक स्थिति, बोई गई फसलों का सटीक डाटा तथा क्षेत्रवार खेती का सही आकलन संभव होगा। जिससे किसानों की आय बढ़ाने में सहूलियत होगी। उन्होंने राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं तकनीकी टीमों को निर्देशित किया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य को पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराया जाए। सीडीओ ने कहा कि सर्वे के दौरान खेतों की सही-सही जियो-टैगिंग की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि गांव स्तर पर सर्वे कार्य को गंभीरता से लें और किसानों से संवाद स्थापित कर उनकी शंकाओं का समाधान करें।

सपा नेता आजम खान 23 महीने बाद जेल से रिहा,कार्यकर्ताओं की 73 गाड़ियों का चालान कटा

रामपुर। सपा नेता आजम खान 23 महीने बाद सीतापुर जेल से मंगलवार दोपहर रिहा हो गए। 5 दिन पहले हाईकोर्ट ने उन्हें बीयर बार पर कब्जे से जुड़े केस में जमानत दी थी। यह आखिरी मामला था, जिसमें उन्हें जमानत मिली। हालांकि, जमानत मिलते ही पुलिस ने शत्रु संपत्ति मामले में नई धाराएं जोड़ दीं। 20 सितंबर को रामपुर कोर्ट ने ये धाराएं खारिज कर दीं, जिससे रिहाई का रास्ता साफ हो गया। आजम पर 104 केस दर्ज हैं। दोनों बेटे अदीब और अब्दुल्ला उन्हें लेने पहुंचे। वे 100 गाड़ियों के काफिले के साथ यहां से रामपुर के लिए रवाना हो गए। आजम की रिहाई सुबह 9 बजे होनी थी, लेकिन एक केस में 6 हजार जुर्माना नहीं भरा गया था। 10 बजे कोर्ट खुलने पर यह रकम जमा हुई। इसके बाद 12.30 बजे उनकी रिहाई हुई। आजम काला चश्मा, काली

सदरी और सफेद कुर्ता पहने कार में ही बैठकर जेल से बाहर आए। हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। उन्हें लेने के लिए मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा और 400 से ज्यादा कार्यकर्ता पहुंचे। पुलिस ने 73 कार्यकर्ताओं की गाड़ियों का चालान भी काटा। कहा- ये सब नो पार्किंग जोन में खड़ी थीं। यूपी भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा- आजम खान सपा के संस्थापक सदस्य हैं। वह कहां जाएंगे, यह तो वही तय करेंगे। यह सब अफवाह है कि वह भाजपा के इशारे पर बसपा में जा रहे हैं। देश में और प्रदेश में कानून का राज है, कोर्ट के आदेश से वह जेल से रिहा हुए हैं। आजम खान की रिहाई पर जौनपुर की मछलीशहर से सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- यह बहुत अच्छी बात है। जिस तरीके से भाजपा सरकार ने उन पर फर्जी मुकदमे लगाकर तांडव मचाया था, आज उन्हें इंसाफ मिल रहा है। यह हमारे संविधान की देन है कि उन्हें न्याय मिला है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जीएसटी बचत उत्सव के आयोजन हेतु प्रेस वार्ता सम्पन्न,अब देश में सिर्फ दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागूः राकेश सचान

दूध, पनीर, शैम्पू, साबुन, टूथपेस्ट जैसी रोज़मर्रा की चीजें अब केवल 5 प्रतिशत या शून्य दर पर होगीः मा0 मंत्री,विलासिता और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर रखी गईःमंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रभारी मंत्री, रायबरेली/मंत्री सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमी, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 राकेश सचान ने आज जिला पंचायत हॉल में जीएसटी बचत उत्सव के आयोजन हेतु प्रेस वार्ता की गयी। मंत्री ने प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में जीएसटी व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार किए गए हैं। इन सुधारों ने हमारी कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाया है। उन्होंने कहा कि आपके सामने देश के सबसे बड़े कर सुधार नेक्ट जेनेरेशन जीएसटी सुधारों पर बोलते हुए गर्व महसूस कर रहा हूँ। 3 सितम्बर 2025 को हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल बैठक ने ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जो 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद का सबसे बड़ा बदलाव है। यह सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के "जीवन में आसानी, व्यापार में आसानी" के विज़न का साकार रूप है। अब देश में सिर्फ दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू होंगी। विलासिता और लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर रखी गई है। इससे कर प्रणाली पारदर्शी, न्यायसंगत और सरल होगी। प्रभारी मंत्री ने बताया कि दूध, पनीर, शैम्पू, साबुन, टूथपेस्ट जैसी रोज़मर्रा की चीजें अब केवल 5 प्रतिशत या शून्य दर पर होगी। हमारी सरकार शिक्षा को सर्वाधिक महत्व देती है इसलिए कॉपियां, पेंसिल, नोटबुक और बच्चों की सामग्री अब पूरी तरह कर-मुक्त। किसानों के लिए ट्रैक्टर, टायर, कीटनाशक और सिंचाई उपकरण पर कर घटाकर 5 प्रतिशत। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी पूरी तरह हटाया गया है। दवाइयों, ऑक्सीजन और टेस्ट किट पर

भारी कटौती की गई है। कार और बाइक पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत 10 प्रतिशत की राहत दी गयी है। यह सब मिलकर करोड़ों परिवारों की जेब में सीधी बचत पहुँचाएंगे। उन्होंने बताया कि लग्जरी कार, यॉट, कसीनो जैसी वस्तुएँ अब 40 प्रतिश के विशेष स्लैब में है। तम्बाकू और पान मसाला पर उच्च कर दर तब तक जारी रहेगी, जब तक मुआवजा सेस ऋण पूरी तरह चुकता नहीं होता। इसका सीधा असर होगा आम आदमी पर बोझ घटेगा, और गैर-जरूरी उपभोग पर कर बढ़ेगा। एमएसएमई के लिए 3 दिन में ऑटो-अप्रूवल रजिस्ट्रेशन। उन्होंने कहा कि निर्यातकों को 90 प्रतिशत तक ऑटोमेटिक रिफंड सुविधा। रिस्क बेस्ड कम्पलायंस से व्यापार आसान और तेज़ होगा। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रेचर्स की समस्या वाले क्षेत्रों में अब तेज़ रिफंड व्यवस्था की व्यवस्था होगी। छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए यह सुधार बड़ा सहारा सिद्ध होंगे। करदाता आधार 2017 के 65 लाख से बढ़कर 2025 में 1 करोड़ 51 लाख हो गए। वित्तीय वर्ष 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह रु0 22 लाख 08 हजार करोड़ रहा तथा चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त तक सिर्फ 05 महीने में ही रु0 10 लाख 4000 करोड़ का संग्रह हो गया है। जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 0.3 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का अर्थशास्त्रीय द्वारा अनुमान जताया गया है। उन्होंने बताया कि जीएसटी से मिली आय अब सड़कों, रेलवे, मेट्रो, स्कूलों और अस्पतालों पर निवेश हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 91 हजार किमी से बढ़कर 1 लाख 46 हजार किमी। भारतीय रेल का 97.6 प्रतिशत नेटवर्क विद्युतीकृत और 144 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। हवाई अड्डों की संख्या दोगुने से अधिक होकर 159। मेट्रो नेटवर्क 248 किमी से बढ़कर 1013 किमी। यह सब भारत की आत्मनिर्भरता और आधुनिकता का प्रमाण है। डीबीटी रु0 7,000 करोड़ से बढ़कर रु0 6 लाख 83 हजार करोड़ हो गया है। 24 करोड़ 82 लाख लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ 70 लाख घर बने। गरीब कल्याण अन्न योजना से 80 करोड़ नागरिक हर माह मुफ्त राशन पा रहे हैं। अटल पेंशन योजना में 7 करोड़ 33 लाख लोगों का नामांकन। स्टार्ट अप इण्डिया से 1 लाख 59 हजार स्टार्टअप्स और 100ञ यूनिकॉर्न खड़े हुए। छोटे उद्योग, महिलाएँ और युवा उद्यमी अब आत्मनिर्भर भारत के स्तंभ बन रहे हैं। जीएसटी सुधार सभी राज्यों की सहमति से हुए। इससे सहकारी संघवाद और मजबूत हुआ है। जीएसटी से टैक्स चोरी में भारी कमी आई है। छोटे व्यापारियों के लिए कर पालन आसान हुआ है। उपभोक्ता का विश्वास और उद्योग का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने बताया कि भारत को अब दुनिया की सबसे उन्नत डेटा-आधारित कर प्रणाली का दर्जा मिला है। नेक्ट जेनेरेशन जीएसटी सुधार केवल कर नीति नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन को आसान बनाने वाला परिवर्तन है। यह सुधार भारत को "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इस मौके पर मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धि लाल, विशाल पाण्डेय, राज कुमार सिंह, शीवेन्द्र सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोहार व नाई ट्रेड के आवेदकों का साक्षात्कार आज 24 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदेश में संचालित वर्तमान रोज़गार योजनाओं में उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग हेतु

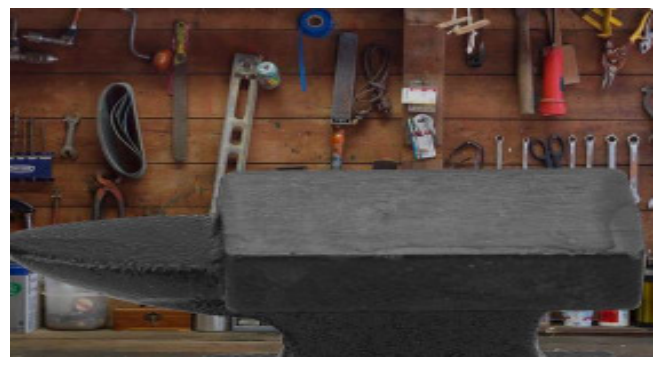

लक्ष्यों को सम्मिलित किया गया है, जिसमें विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत ट्रेडवार अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में लाभान्वित किया जाना है। जिसमें लोहार एवं नाई ट्रेड के सभी ऑनलाइन प्राप्त आवेदको का साक्षात्कार किया जा रहा है। उपायुक्त उद्योग ने लोहार एवं नाई ट्रेड के सभी आवेदकों से कहा है कि आवेदको का साक्षात्कार 24 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कार्यालय, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में किया जायेगा। उन्होंने सभी आवेदकों से कहा है कि अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ साक्षात्कार में समय से उपस्थित हों।

यूपी के पते पर पंजीकृत 127 राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी,इन दलों ने निर्धारित समयावधि में निर्वाचन व्यय विवरणी दाखिल नहीं किया

ये दल 03 अक्टूबर, 2025 तक नोटिस के जवाब में दे सकेंगे प्रत्यावेदन,मुख्य निर्वाचन अधिकारी 06, 07, 08 एवं 09 अक्टूबर, 2025 को करेंगे व्यक्तिगत सुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्राविधानों के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के पते पर पंजीकृत 127 राजनैतिक दलों (आरयूपीपी) को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन राजनैतिक दलों द्वारा विगत 03 वित्तीय वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24) के वार्षिक लेखापरीक्षित खाते निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किए गए और वर्ष 2019 से अब तक विगत 06 वर्षों में आयोजित विभिन्न निर्वाचनों में प्रतिभाग तो किया गया परन्तु निर्धारित समयावधि में निर्वाचन व्यय विवरणी दाखिल नहीं किया गया। प्राविधान यह है कि विधानसभा चुनाव के पश्चात 75 दिनों के भीतर और लोकसभा चुनाव के पश्चात 90 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय विवरणी दाखिल किया जाना अनिवार्य है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने कारण बताओ नोटिस के सम्बंध में कहा कि इन सभी दलों के अध्यक्ष व महासचिव अपना प्रत्यावेदन, शपथ पत्र एवं सुसंगत अभिलेख आदि 03 अक्टूबर, 2025 तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 के कार्यालय, चतुर्थ तल, विकास भवन, जनपथ मार्केट, लखनऊ-226001 को उपलब्ध करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत सुनवाई हेतु 06, 07, 08 एवं 09 अक्टूबर, 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में प्रातः 10 बजे उपस्थित होकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि के दौरान यदि ऐसे किसी दल की ओर से कारण बताओ नोटिस के सम्बन्ध में प्रत्यावेदन उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो यह माना जायेगा कि ऐसे राजनैतिक दल को इस मामले में कुछ नहीं कहना है। ऐसे दल के संबंध में रिपोर्ट भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित कर दी जायेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस इन सभी राजनैतिक दलों के पंजीकृत पते पर रजिस्टर्ड डाक से भेज दिया गया है। इन सभी राजनैतिक दलों के नाम एवं पते सहित सूची भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

गणेश पूजन के साथ हुआ सेक्टर 46 की रामलीला का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा।श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के द्वारा सोमवार को रामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व नोएडा के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने पूजा पाठ के बाद जहां रामलीला का शुभारंभ किया वहीं उन्होंने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज से अच्छाई पर बुराई का प्रतीक त्योहार दशहरा पर्व का शुभारंभ हुआ है, 2 अक्टूबर को अच्छाई पर बुराई की हार होगी। और उसे दिन रावण, मेघनाथ कुंभकरण के पुतले दहन किया जाएंगे। इस अवसर पर रामलीला संयोजक पंडित कृष्ण स्वामी ने बताया कि रामलीला में गणेश पूजन से रामलीला का शुभारंभ हुआ इसके बाद दशरथ समबरासुर के बीच युद्ध हुआ। इतना ही नहीं कैकई द्वारा राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा तथा दशरथ द्वारा की गई को दो वर देने का वचन और दशरथ दरबार व पुतरष्टि यज्ञ का आयोजन किया । इस बार रामलीला में नए कलाकारों को मौका दिया गया है ,खासकर इसमें नोएडा के रहने वाले कलाकार भी शामिल है। आयोजन समितिः- चेयरमैन मनोज अग्रवाल (सीएम डी प्रिया गोल्ड) , वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सीईए मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, मेला संयोजक संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, सुशील गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिन्हा, अभिषेक जैन, डॉ कपिल सिंघल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, गौरव मित्तल, पवन अग्रवाल, नवीन सोनी, सौरभ अग्रवाल, बिमलेन्दु कुमार, सुनील जैन, गौरव छावड़ा, श्रीधर गोयनका, राम अवतार सिंह, अखिल जैन, विजय अग्रवाल, अरुण गोयल, विकास जैन, दीपांशु अग्रवाल आदि मौजूद थे।

सांसद डॉ.महेश शर्मा ने किया श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ,गणेश पूजन के साथ बारह दिवसीय लीला मंचन का हुआ श्रीगणेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद डा. महेश शर्मा एवं अनिल सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। श्रीरामलीला मंचन की शुरूआत श्री गणेश वंदना एवं गणेश पूजन के साथ हुई। गणेश वंदना में कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पेश कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रथम दृश्य में दिखाया गया कि नारद जी को अहंकार हो जाता हैं और भगवान अपने भक्त के अहंकार का समूल नाश करते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से एक माया नगरी बनाते हैं,जिसमें विश्वमोहनी नाम की राजकुमारी का स्वयंवर होता है। नारद जी उस कन्या पर मोहित होकर उससे विवाह करना चाहते हैं और भगवान से सुन्दर स्वरूप मांगते हैं लेकिन भगवान उनको बंदर का स्वरूप प्रदान करते हैं।जब वह सभा में पहुंचते हैं तो शिवगण उनका मजाक उड़ाते हैं और वह कन्या भगवान विष्णु के गले में वरमाला डाल देती है।उपहास से क्रोधित नारद जी भगवान को श्राप दे देते हैं। इधर लंका का राजा रावण राक्षसों के साथ ऋषि मुनियों पर अत्याचार करता हैं। इसी के साथ प्रथम दिवस की रामलीला का समापन भगवान की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि रामलीला के दूसरे दिन 23 सितंबर को देवताओं द्वारा विष्णु जी से प्रार्थना, राम जन्म, भगवान शिव जी द्वारा रामलीला के दर्शन, ऋषि विश्वामित्र द्वारा लक्ष्मण का यज्ञ, हवन रक्षा के लिए दशरथ जी से श्रीराम जी को लाना, मारीच, सुबाहु वि तड़का वध, आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। रामलीला के अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, राजेश माथुर, चक्रपाणि गोयल, सुधीर पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, साहिल चौधरी, कुलदीप गुप्ता, मनीष गोयल सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

नोएडा स्टेडियम में श्री सनातन धर्म रामलीला का हुआ श्री गणेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वावधान में नोएडा स्टेडियम में हो रही प्रभु श्रीराम की दिव्य लीला का मंचन गणेश पूजन से आरंभ होकर नारद मोह तक की लीला के साथ आरंभ हुआ। इस मनमोहक प्रस्तुति में दर्शाया गया कि किस प्रकार नारद जी की तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोल उठता है, और कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजा जाता है। कामदेव को पराजित कर नारद जी के मन में उत्पन्न अहंकार को भगवान विष्णु अपनी माया के माध्यम से नष्ट करते हैं। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा विगत 40 वर्षों से नोएडा में रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। नोएडा के समस्त श्रद्धालु नागरिकों का भरपूर प्यार, सहयोग और स्नेह समिति को निरंतर प्राप्त होता रहा है। इसी जनसमर्थन और श्रद्धा के चलते हर वर्ष रामलीला को और अधिक भव्य व आकर्षक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस लीला में दर्शाया गया कि किस प्रकार नारद जी की तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोलने लगता है, और वे कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजते हैं। परंतु कामदेव को पराजित कर नारद जी के मन में अहंकार उत्पन्न हो जाता है। इस अहंकार को दूर करने हेतु भगवान विष्णु माया रचते हैं और अपने प्रिय भक्त नारद जी का अहंकार समाप्त करते हैं। पात्रों का अभिनय इस प्रकार रहा। नारद जी के रूप मेंः हिमांशु शर्मा, विष्णु भगवान के रूप मेंः अभिमन्यु, लक्ष्मी जी के रूप मेंः तान्या, श्रृंगी ऋषि के रूप मेंः कमल और सोनू, शिव जी के रूप मेंः मनीष, पार्वती जी के रूप मेंः उषा, कामदेव के रूप मेंः संभव, इंद्र के रूप मेंः वैभव, शीलनिधि के रूप में रामलीला मंचन के प्रथम दिवस के अवसर पर सांसद एवं पूर्व मंत्री भारत सरकार डॉ. महेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग, विमला बाथम, अध्यक्ष उ0 प्र0 कृषि अनुसंधान कैप्टन विकास गुप्ता, श्री नबाव सिंह नागर, श्रीनिवास सिंह नागर, पीयूष द्विवेदी, संस्था के चेयरमैन डा. टी.एन. गोविल, अध्यक्ष टी एन चौरसिया, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, संजय गोयल, पंकज जिंदल, विपिन बंसल, राजीव अजमानी, प्रदीप अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुशील भारद्वाज, मित्रा शर्मा, चंद्रपाल सिंह, शुभकरण सिंह राणा, रमेश कुमार, एवं चितरंजन कुमार उपस्थित रहें।

डीआईए के छात्रों ने किया नेशनल कॉटेज एंपोरियम का भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस- डिजाइन एंड इनोवेशन एकेडमी (डीआईए) के छात्रों ने एकेडमिक एनरिचमेंट कार्यक्रम के तहत नेशनल कॉटेज एम्पोरियम, नई दिल्ली का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भारत की समृद्ध हैंडलूम और हस्तशिल्प विरासत, डिजाइन की विविधता एवं समकालीन बाजार प्रवृत्तियों की जानकारी हासिल की। वहीं फैशन डिजाइन के विद्यार्थियों ने पारंपरिक वस्त्र शैलियों, रंग संयोजन, कढ़ाई, बुनाई तकनीक और नवीन डिजाइन तत्वों का गहन अध्ययन किया। आईएमएस-डीआईए के डीन प्रोफेसर (डॉ.) एमकेवी नायर ने बताया कि एकेडमिक एनरिचमेंट कार्यक्रम के तहत आज का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सृजनात्मक दृष्टिकोण को विस्तृत करने के साथ-साथ उन्हें उद्योग के व्यावहारिक पहलुओं से भी जोड़ने का काम किया। इस दौरे से विद्यार्थियों को भारतीय कला एवं संस्कृति की गहराई को समझने का अवसर मिला, साथ ही उन्हें वैश्विक फैशन उद्योग की मांगों के अनुरूप अपनी रचनात्मकता को निखारने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि यह अनुभव भविष्य में छात्रों के डिज़ाइन प्रोजेक्ट्स और पेशेवर करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आईएमएस-डीआईए की सीएमडी शिल्पी गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को भारतीय कला और संस्कृति की गहराई को समझने और अपनी रचनात्मकता को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगा। आईएमएस-डीआईए हमेशा विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने पर जोर देता रहा है, जिससे वे वैश्विक फैशन उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विद्यार्थियों के अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान और पेशेवर अनुभव प्राप्त करने में यह सहायक होंगे। वहीं आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि इस प्रकार के अनुभव छात्रों के सृजनात्मक दृष्टिकोण को नई दिशा देते हैं और उन्हें वैश्विक फैशन उद्योग की बदलती मांगों के अनुरूप अपने कौशल को निखारने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का भ्रमण छात्रों के पारंपरिक हस्तशिल्प और डिजाइन तकनीकों को करीब से देखने एवं आधुनिक जरूरतों की समझ भी विकसित करेगा। साथ ही विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उनके पेशेवर करियर को मजबूत आधार देगा।

अग्रवाल सुहृद समाज रायबरेली द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5179वीं जयंती पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अग्रवाल सुहृद समाज रायबरेली द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5179वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। इस आयोजन को चार चरणों में विभाजित किया गया है, जिसके अंतर्गत तृतीय चरण में आज एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।यह शोभा यात्रा नोकिया केयर, बेलीगंज से प्रारंभ होकर रेलवे स्टेशन रोड, घंटाघर चौराहा, रामकृपाल चौराहा, सुपरमार्केट, अस्पताल चौराहा होते हुए अग्रसेन पार्क में सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सिद्धार्थ गोयल(आस्था इंडस्ट्रीज), महेश नारायण अग्रवाल, वरिष्ठ संरक्षक श्री इन्दर चंद्र जैन,अनूप अग्रवाल,धनिराम अग्रवाल,पूर्व अध्यक्ष राधा रमन अग्रवाल, शील निधि अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, सूरज अग्रवाल,अध्यक्ष व सचिव पवन अग्रवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। शोभा यात्रा में समाज की महिलाओं द्वारा आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें कुलदेवी माता महालक्ष्मी दरबार(श्रीमती लक्ष्मी जैन द्वारा), मिशन सिंदूर(श्रीमती शिखा मुरारका व प्रियंका अग्रवाल द्वारा), एवं सनातन संस्कृति(श्रीमती संगीता अग्रवाल द्वारा) विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके साथ ही महाराजा अग्रसेन जी का रथ,18 गोत्रों के बच्चों के साथ निकाली गई, जिसने नगरवासियों का ध्यान आकर्षित किया। शोभा यात्रा में अग्रवाल समाज के सभी अग्रबंधुओं के साथ वरिष्ठ संरक्षक,पूर्व अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा श्रीमती रचना अग्रवाल ,सचिवा श्रीमती सपना अग्रवाल, समाज की सभी महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने शोभायात्रा में भाग लेकर महाराजा अग्रसेन जी का माल्यार्पण व आरती की तथा समाज के वरिष्ठजनों का स्वागत किया। समापन समारोह अग्रसेन पार्क में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष श्री शत्रुघन सोनकर जी उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि ने संरक्षक, पूर्वअध्यक्ष के साथ के साथ महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा एवं माता महालक्ष्मी पर माल्यार्पण कर आरती की। इस अवसर पर द्वारा मुख्य अतिथि को एक पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया गया। शोभा यात्रा कार्यक्रम के समन्वयक हरीश मुरारका, मोहित अग्रवाल, हर्षिका बंसल एवं किरण बंसल रहे।समाज के अध्यक्ष श्री पवन गुप्ता ने सभी उपस्थित अग्रबंधुओं का अभिनंदन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि द्वारा 18 गोत्रों के बच्चों कनिष्क, शल्वी, विधिका, मान्या, आरोही, मोहित, पीयूष, परी, ऋषिक, अनन्या, राजकुमार, कार्तिक, राहुल, ग्रन्थ, सक्षम, अनीकेत, नैना, मिशिका, महाराजा अग्रसेन बने बंसल, झांकी में भाग लेने वाले बच्चों अंश,अनन्या, आर्य, ऐसी ,प्राणीका, अथर्व, अदिति, भव्या, माधव, देवांशी, प्रियांशी, शुभी, भव्या, श्रेयांश, अथर्व, सिद्धि, वृद्धी, कौशिकी ,वानी तथा महाराजा अग्रसेन पार्क के माली, माता महालक्ष्मी मंदिर के पंडित एवं श्री पुत्तीलाल को एक-एक उपहार देकर उत्साहवर्धन एवं सम्मानित किया। समारोह के अंत में अध्यक्ष द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन समाज की एकता, परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप देने का प्रेरणादायक प्रयास रहा।

अमृत भारत में विष घोल रहा ठेकेदार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रदेश राज्य/ब्योहारी। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे क्षेत्र में कराया जा रहा निर्माणकार्य चटिया और गुणवत्ता विहीन। लोगों ने लगाया मनमानी करने का आरोप, इरकान कम्पनी की शाख पर पेटी कान्ट्रेक्टर लगा रहा बहा, मोदी की मंशा पर फेर रहा पानी। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से सूक्ष्म जांच की मांग। पश्चिम मध्य रेल मंडल के कटनी सिंगरौली रेल खखंड में च्यौहारी रेलवे स्टेशन में अमृत भारत योजना के तहत पूरे रेलवे परिसर क्षेत्र का कायाकल्प कराया जा रहा है। जिसमे ठेकेदार द्वारा वहां जो निर्माण कार्य कराया जा रहा है वो मापदंड के विपरीत घटिया सामग्री के उपयोग से गुणवत्ता हीन तरीके से कराया जा रहा है। जो सवाल खड़े कर रहा है। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हो रहे विभिन्न निर्माण कार्य घटिया और अमानक स्तर का कराया जा रहा है। इस्कान कम्पनी ने रेलवे में सभी काम का ठेका पेटी कान्टैक्ट में दे रखा है और पेटी कान्टैक्टर सभी निर्माण कार्य को मनमानी तरीके से करा रहा है। जिसे कोई देखने सुनने बाला नहीं है। विभाग के लोगों की मानें तो महां पदस्थ सहायक मंडल अभियंता श्री मौना को मिली भगत से ठेकेदार द्वारा पटिया सामग्री के उपयोग से रेलवे परिसर में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। रेलवे के नवनिर्मित भवनों में दरारें साफ देखी जा सकती है।वहीं स्टेशन परिसर में लगायें गये पेवर ब्लाक कई जगह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। निर्माणाधीन भवन अभी से टूटने व दरकने लगे, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अंदाजा देखकर सहज ही लगाया जा सकता है। विभागीय लोगों की मानें तो रेल्वे में हो रहे करोड़ों के काम में लीपापोती कर घटिया काम कराया जा रहा है और यहां पदस्थ सहायक मंडल अभियंता श्री मीना और उसका सहायक ई. डब्ल्यू आई. मनोज टोपे ठेकेदार से सांठगांठ कर रेलवे को चूना लगा रहे हैं। रेलवे में अमृत भारत योजना के तहत हो रहे.कायाकल्प में पेटी कान्ट्रेक्टर इरफान कम्पनी की साख पर लगा रहा बह। वहीं सहायक मंडल अभियंता और ठेकेदार मोदी सरकार की मंशा पर फेर रहे पानी। क्षेत्रीय सांसद विधायक मौन भाजपा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत भारत योजना के तहत यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधा के साथ रेल कर्मचारियों के लिए आधुनिक स्वरूप में भवनों का निर्माण, प्लेटफार्म विस्तार कार्यालय आफिस कारखाना, ओवरब्रिज, रेस्ट हाउस सहित पूरे परिसर का कायाकल्प करने का ठेका अलग अलग कई ठेकेदारों ने इरकान कम्पनी से पेटीकॉन्ट्रैक्ट में लेकर मनमानी तरीके से निर्माण कर धाष्ठचार कर रहे हैं। जिन्हें विभागीय जिम्मेदार अमले का संरक्षण प्राप्त होने का आरोप लगाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि यहां हो रहा घटिया निर्माण चंद दिनों में ही खंडहर में तब्दील हो सकता है।

लगभग 26 माह बाद मिली आजम खान को सीतापुर जेल से रिहाई

आधुनिक समाचार सीतापुर। काफी लंबे समय के बाद आखिरकार सपा के कद्दावर नेता आज़म खान को सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया, 22 सितंबर को आदेश आने में देरी के चलते पहले उन्हें 23 सितंबर की सुबह छोडा जाना था जिसके चलते शहर में तमाम सपा नेताओं का जमावड़ा रात्रि से ही जेल के बाहर लगने लगा रामपुर मथुरा से भी भारी संख्या में कार्यकर्ता अपने नेता के स्वागत में आने लगे ,भारी भीड़ को देखकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड में रहा, जेल के समीप भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया रही ,वहां धारा 144 लागू कर व्यवस्था को दुरुस्त किया गया,नवरात्रि के चलते पुलिस किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बराबर पेट्रोलिंग करती रही आजम खान की जमानत राशि 23 सितंबर को ही कोर्ट में जमा होनी थी जिस कारण उनकी यही 12 से 1:00 बजे के बीच हो पाई अपने बेटों के साथ कार में सवार हो आजम खान ने अपने समर्थकों को अभिवादन करते हुए सीतापुर से किया अलविदा कहा।

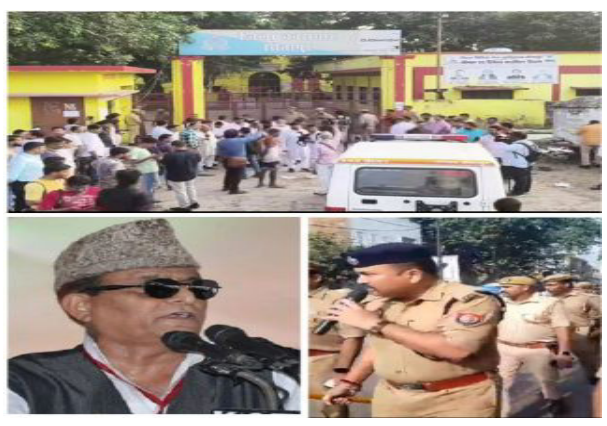

शाहगंज बाजार में चाओर गंदगी जनसमस्याओं का लगा अंबार,खंड विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सचिव की ढुलमुल रवैया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र,शाहगंज। स्थानीय प्राचीन बाजार में जन समस्याओं का कोई पुरुसाहाल नहीं है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सम्बंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्राम प्रधानों की उदासीनता एवं अनदेखी के चलते शाहगंज प्राचीन बाजार से जुड़ा बेलाटाड़ व ओड़हथा में जनसमस्याओं का अंबार लगा हुआ है। मालूम हो कि इन दिनों शारदीय नवरात्र का महापर्व चल रहा है इसके बाद दशहरा एवं दीपावली है। सड़क की दोनों पटरियों पर सभी जगह बजबजाते गंदे पानी का जमावड़ा एवं कूड़े क़ा ढेर राहगीरों के लिए कष्ट कारी एवं रहवासियों के लिए संक्रामक बीमारियों का कारण बना हुआ है। यहां नाली के अभाव में बरसात व घरेलू उपयोग में लाने वाले पानी का निकासी नहीं हो पाता जिसके कारण सड़क की दोनों पटरियों पर हमेशा जल जमाव बना रहता है।साफ -सफाई के अभाव में चहुंओर गंदगी और कूड़ो का ढेर लगा हुआ है। मंदिर हो, मस्जिद हो,या स्कूल -कालेज हो, अस्पताल हो या सरकारी गैर सरकारी कोई भी सार्वजनिक स्थल हो उसके आसपास एवं सामने चहुंओर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है। मालूम हो कि गत 17 सितम्बर को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर तहसील प्रशासन के मुखिया नवागत उपजिलाधिकारी आशीष कुमार तिवारी के नेतृत्व में श्री संकटमोचन मंदिर तिराहे के आस पास सामूहिक सफाई कर्मचारियों से साफ -सफाई करवाया गया था, जिसमें बैनर के सामने फोटो खिंचवाने के लिए खण्ड विकास अधिकारी नितिन कुमार, सहायक खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान अवश्य दिखे थे, किन्तु उसके बाद से अब तक न कोई सफाई कर्मचारी दिखाई दे रहा है ना ही कोई जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका। जबकि इस संदर्भ में कई बार लिखित एवं मौखिक रूप में खण्ड विकास अधिकारी से लेकर जिला प्रशासन यहां तक कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों खास़ कर खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सचिव के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है सिर्फ खानापूर्ति कर शासन -प्रशासन को गुमराह किया जा रहा है।ऐसे में जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है।इन परिस्थितियों में क्षेत्रीय नागरिकों ने शासन -प्रशासन के उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में त्वरित निराकरण कराने की मांग किया गया है।

धूमधाम से मनाई गई अग्रसेन जी महाराज की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मारवाड़ी युवा मंच सोन महिला शाखा व मारवाड़ी महिला दादी मंडल द्वारा सोमवार को राजस्थान भवन में श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजन एवं आरती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोनभद्र शाखा अध्यक्ष हिमांशु वेज्जरीवाल ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के दिन अग्रवाल समाज के लोग महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना करते हैं और उनके बताए रास्ते पर चलने का प्रयास करते हैं। महिला मंच की अध्यक्ष ऋतु जालान और मारवाड़ी महिला दादी मंडल की अध्यक्ष अनीता थर्ड ने बताया कि श्री अग्रसेन जी महाराज हमेशा ही लोकतांत्रिक व्यवस्था और समानतावाद के पोषक रहे।उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिन अग्रवाल, शुभम् अग्रवाल,ऋतिक अग्रवाल, रोहित केडिया, सिद्धार्थ साँवरिया, रवि केजरीवाल, राकेश जालान, रमेश गोयल, रवि अग्रवाल, ऋतु जालान, अंकिता केजरीवाल, पूनम खैतान, अनिता थर्ड आदि उपस्थित रहे।

बाल गृह बालिका का न्यायाधीश ने किया निरीक्षण, 37 बालिकाएं मिली आवासित,प्राधिकरण सचिव शैलेंद्र यादव ने बालिकाओं को दी उनके अधिकारों और मध्यस्थता अभियान की जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने शैलेंद्र यादव ने सोमवार को राबर्ट्सगंज स्थित बाल गृह बालिका पूर्वासी ग्रामीण उत्थान सेवा समिति का औचक निरीक्षण किया। मौके पर बाल गृह (बालिका) की अधीक्षिका नीलम सिंह एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में कुल 37 बालिकायें आवासित मिली। जिसमें से क्रमशः सोनभद्र की 21, मीरजापुर की 12, शाहजहांपुर की 1, भदोही की 03 बालिका आवासित मिली। आवासित बालिकाओं को मीनू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन आदि का प्रबंधन संतोषजनक मिला। सचिव न्यायाधीश शैलेंद्र यादव ने बालिकाओं सामुदायिक भाव से नैतिक व्यापार निवारण अधि0 1956, घरेलू हिसां से महिला संरक्षण अधि0 2005, दहेज प्रतिषेध अधि0 1961, गर्भ का चिकित्सीय समापन अधि0 1971, मातृत्व लाभ अधि0 1961-26 सप्ताह तक, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधि0 2013, लैगिंक अपराधो से बालको का संरक्षण अधि0 2012, गर्भधारक पूर्ण एवं प्रसव पूर्ण निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिषेध) अधि0 1994, समान पारिश्रमिक अधि0 1976, महिलाओं का अशिष्ट चित्रण (निषेध) अधि0 1966, हिन्दू उत्राधिकार अधि0 1956' पीसीपीएनडीटी एक्ट समेत लिंगानुपात की भयावहता से अवगत कराते हुए बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जहां जागरूक किया वहीं 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक आरम्भ राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान में निस्तारित किए जाने वाले मामले की भी जानकारी दी। उक्त जानकारी शैलेन्द्र यादव अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गयी।

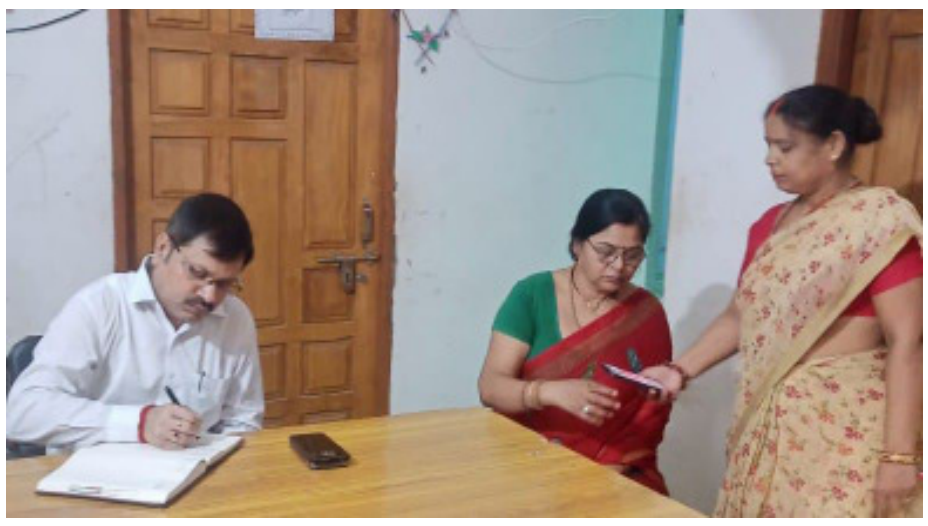

धूमधाम से मनाई गई महराज अग्रसेन जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र। स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में अग्र कुल के संस्थापक महराज अग्रसेन जी की जयंती सोमवार को धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान मुख्य यजमान रविन्द्र गर्ग द्वारा सर्वप्रथम महराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।वही वैदिक मंत्रोच्चार संग पूरे विधि विधान से पूजन हवन किया गया।जयंती कार्यक्रम में शामिल किशोरी लाल बंसल ने महराज जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा समाज हित में किये गए कार्यों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अग्रसेन जयंती महाराजा अग्रसेन का जन्म दिवस है, जिन्हें अग्रवाल समुदाय का संस्थापक माना जाता है। यह जयंती समानता, करुणा और सामाजिक कल्याण के उनके आदर्शों को याद करने और बढ़ावा देने के लिए मनाई जाती है। इस दिन, समुदाय के सदस्य महाराजा अग्रसेन की शिक्षाओं का सम्मान करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक सेवा और दान जैसे कार्य करते हैं। एक ईट और एक रूपए का चलन महाराज अग्रसेन ने शुरू किया था,ताकि कोई भी समाज में बिना घर के न रहे। पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से विरेन्द्र मित्तल, प्रवेश अग्रवाल, सत्यनारायण गोयल, प्रतीक अग्रवाल,संदीप जिंदल,सुरेन्द्र सिंघल, अशोक अग्रवाल सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

सेवा पखवाड़ा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। थाना कोन परिसर मे सेवा पखवाड़ा अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार मिशन शक्ति 5.0 की थीम नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग के मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे मे विस्तार से पात्रता बताते हुए आवेदन करने हेतु कहा गया साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन ,181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में बताते हुए यह जानकारी दी गई की बालिकाएं इन नंबरों पर अपनी सुरक्षा हेतु शिकायत कर सकती हैं उनकी जानकारी गुप्त रखी जाती है। वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को विस्तार से बताया गया साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में बताकर जागरूक किया गया की बालिकाएं को किसी प्रकार की धोखेबाजी और छेड़छाड़ से संबंधित कॉल आए तो इस नंबर पर शिकायत दर्ज कर जानकारी दे सकती हैं। इस तरह से वह अपनी और अपनी बहनों की सुरक्षा स्वयं कर सकती हैं। उपर्युक्त कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर सोनभद्र से केस वर्कर श्रीमती अनुराधा जायसवाल एवं थाना कोन से इंस्पेक्टर 'संजीव कुमार सिंह' व श्रीमती दीक्षा तिवारी, एसएसआई श्री राकेश राय, हेड कांस्टेबल 'विनय यादवनिगार फरजाना उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त की प्रान्त कार्यकारिणी बैठक सोनभद्र में संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही शैक्षणिक परिसरों में सकरात्मक वातावरण एवं समाज हित के लिए कार्य करते आ रही है। इस हेतू अभाविप शिक्षा क्षेत्र के सभी हित धारको के साथ समय समय पर चर्चा एवं मंथन करती रहती है। इसी विषय जैसे की शुल्क वृद्धि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, पाठ्यक्रम, निजी शिक्षण संस्थानों में व्याप्त अनियमितता आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस प्रान्त कार्यकारिणी बैठक में अभाविप द्वारा उत्तर प्रदेश में निजी शिक्षण संस्थानों के नियमन हेतू एक आयोग के गठन की मांग करते जानते हुए उनके सुधार हेतू कार्य करेंगी जिसके लिए प्रान्त स्तरीय वृहद सर्वेक्षण अभियान चलाया जाएगा।इसी के साथ भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर सभी जिलों एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में जनजातीय नायकों के सम्मान में कार्यक्रम होंगे। रानी अब्बाक्का वेज राज्यरोहन के 500 वें वर्ष में महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर अभाविप विद्यार्थियों के मध्य पंच परिवर्तन से संबंधित विषयों को लेकर विभिन्न आयोजन करेंगी। इसी के साथ रानी लक्ष्मीबाई जी की जयंती के अवसर पर छात्राओं को वृहद स्तर पर आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने हेतू 'मिशन साहसी' का आयोजन किया जाएगा। समारोप सत्र में प्रान्त संगठन मंत्री श्री अभिलाष जी ने

निजी शैक्षणिक संस्थानों के नियमन हेतू राज्य स्तरीय आयोग गठन हेतू प्रस्ताव पारित

क्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त की दो दिवसीय प्रान्त कार्यकारिणी बैठक का आयोजन दिनांक 20 एवं 21 सितंबर 2025 को रॉबर्ट्सगंज स्थित शुभ श्री पैलेस में हुआ। इस दौरान काशी प्रान्त वेज विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आगामी दिशा तय की। प्रथम दिन प्रान्त कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन अभाविप के पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री घनश्याम शाही जी, प्रान्त अध्यक्ष प्रो. सुचिता त्रिपाठी जी,प्रान्त मंत्री श्री अभय प्रताप सिंह एवं प्रान्त संगठन मंत्री श्री अभिलाष मिश्रा जी द्वारा किया गया। बैठक वेज द्वितीय दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र वेज क्षेत्र प्रचारक आदरणीय श्री अनिल जी ने संघ शताब्दी वर्ष वेज निमित्त कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इस प्रान्त कार्यकारिणी बैठक में शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न हुए प्रस्ताव पारित किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, काशी प्रान्त की यह कार्यकारिणी यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित करती है कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में भीः- 1. एक स्वतंत्र एवं सशक्त निजी शैक्षणिक संस्थान नियामक आयोग की स्थापना करे। 2. यह आयोग निजी संस्थानों की शुल्क संरचना, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता की निगरानी के लिए उत्तरदायी हो। 3. आयोग में शिक्षा विशेषज्ञों, विधिक विशेषज्ञों, समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों और छात्र प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि इसका स्वरूप लोकतांत्रिक और जनपक्षीय हो। 4. 4.आयोग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना हो कि शिक्षा केवल व्यावसायिक लाभ तक सीमित न रहकर छात्रहित, सामाजिक न्याय, और राष्ट्रहित पर आधारित रहे। आगामी दिनों में अभाविप शैक्षणिक सर्वे वेज माध्यम से शिक्षण संस्थानो की वस्तु स्थिति को कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें समाज में अपना दायित्व निभाते हुए छात्रहित की दिशा में कार्य करने हेतू प्रेरित किया। इस दौरान प्रान्त मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा की 'विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही ठीक करेंगे तीन काम : प्रवेश, परीक्षा और परिणाम को ध्येय बना कर कार्य करती है। इस प्रान्त कार्यकारिणी बैठक में शिक्षा क्षेत्र के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई एवं समस्याओं के समाधान हेतू आगे की दिशा तय की गई। आगामी दिनों में अभाविप पूरे काशी प्रान्त में शैक्षिक सर्वेक्षण कर शिक्षण संस्थानों की समस्याओं से हितधारको को अवगत करा कर उनके समाधान हेतू कार्य करेंगी। संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन एवं सामाजिक समरसता के विषयों को ले कर विद्यार्थी समाज में सकारात्मक कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।'

द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व सैनिक की पत्नी लगातार कर रही गौसेवा,बीते 50 वर्षो से कर रही गौ सेवा

गौ सेवा करने से होते है,शारीरिक और मानसिक लाभ -सावित्री देवी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (म्योरपुर) सोनभद्र। स्थानीय विकासखंड के ग्राम पंचायत खैराही की निवासी एवं पूर्व सैनिक की पत्नी श्रीमती सावित्री देवी पचास वर्षों से भी अधिक समय से गौ सेवा एवं गौ पालन कर रही है।वर्तमान मे 96 वर्षीय श्रीमती सावित्री देवी की उम्र है,बावजूद इनके जज्बे और हौसले इतने ज्यादा बुलंद है कि गौ सेवा करने मे कभी पिछे नही हटती और वह बताती है कि इंसान को कभी हार नही मानना चाहिए चाहे कितनी भी कठिनाईयो का सामना करना पड़े।सावित्री देवी का कहना है कि वह प्रतिदिन सुबह पांच बजे उठकर नित्य क्रियान्वयन कर, वह सुबह और शाम को गौऊवो की सेवा मे निस्वार्थ भाव से लग जाती है। सावित्री देवी का मानना है कि आज गौ सेवा से ही हम स्वस्थ एवं खुशी से जीवन व्यतीत कर रहे है।इनका मानना है कि गौ सेवा करने से विशेषकर हमको दो फायदे महसूस होते है,पहला शारीरिक और दूसरा मानसिक।गौ सेवा से शारीरिक एवं मानसिक तौर पर तेजी से विकास होता है।उनका मानना है कि अगर प्रत्येक इंसान गौसेवा करे तो कैसी भी परेशानीया आएंगी कुछ समय बाद वह परेशानी कोशो दूर चली जांएगी।सावित्री देवी का मानना है कि गौ के अंदर 33 करोड़ देवी देवताओ का वास है। आज के जमाने मे जहां लोग अपने आप को सही डंग से नही चला पाते वही 96 वर्षीय सावित्री देवी बिल्कुल स्वस्थ्य है और हार मानने को तैयार नही होती।अपने को ज्यादा समय गौसेवा मे देती है।उनका कहना है कि इंसान एक दिन शरीर छोड़कर चला जाएगा लेकिन उसकी अच्छाईया और बुराईया यही लोगो के बीच रह जाएगी,जैसा जो कर्म करेगा वैसा ही फल पाएगा। द्वितीय विश्व युद्ध में पैर में लगी थी गोली सावित्री देवी ने बताया कि उनवेज पति स्व केदारनाथ दुबे फौज मे थे। 1942 मे स्व केदारनाथ दुबे की भर्ती डोगरा रेजीमेंट मे हुई थी। भर्ती होने के बाद उनको पाकिस्तान के लाहौर मे ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था उस वक्त लाहौर भारत का ही हिस्सा था।फौज मे भर्ती होने के बाद स्व दुबे को साउथ अफ्रीका, सिंगापुर और वर्मा जैसे देश मे फौज के तरफ से कुछ दिनो के लिए भेजा गया था। 1945 मे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत वर्मा युद्ध के लिए भेजा गया था,युद्ध के दौरान केदारनाथ दुबे के बांए पैर के घुटने मे गोली लग गई थी।

जिले में 15 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्यःनम्रता चौरसिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर उत्तर प्रदेश सहकारिता विभाग द्वारा एम-पैक्स सदस्यता महाअभियान 2.0 की शुरुआत की गई है, जो 12 सितंबर से 12 अक्टूबर तक संचालित होगा। उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड की डायरेक्टर एवं भाजपा महिला मोर्चा काशी क्षेत्र की क्षेत्रीय अध्यक्ष तथा जिला प्रभारी सहकारिता अभियान नम्रता चौरसिया ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जनपद में 15 हजार नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले की 64 समितियों में प्रत्येक समिति से न्यूनतम 250 सदस्य बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान से किसानों और ग्रामीणों को सहकारी समितियों के माध्यम से आसान वित्तीय सेवाएं, कम ब्याज पर ऋण, अनुदानित उर्वरक और बीज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही जिला सहकारी बैंक से अन्य वित्तीय लाभ भी किसानों तक पहुंचेंगे। मात्र 100 रूपए में

बचत खाता खोलने की सुविधा से ग्रामीण समाज को स्थानीय स्तर पर बैंकिंग और आर्थिक सशक्तिकरण का सीधा लाभ मिलेगा।बताया कि इस अभियान को गति देने के लिए जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष जगदीश पटेल, उपाध्यक्ष विपुल, डायरेक्टर बलदेव, सम्मानित सोनभद्र जिले के जनप्रतिनिधि गण एवं भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल और जिला प्रभारी अनिल सिंह सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जिला संयोजक सुरेंद्र के साथ ब्लॉक स्तर पर गठित टोलियां भी सदस्यता बढ़ाने में जुटी हैं। प्रशासनिक स्तर पर ए.आर. देवेंद्र, एडीसीओ व एडियो के नेतृत्व में सहकारिता समितियों की टीम कार्यरत है। अभियान में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह समेत कई कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग दिया है। नम्रता चौरसिया ने जिले के किसानों और ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सहकारी समितियों से जुड़ें और 'सहकार से समृद्धि' की योजना को सफल बनाने में सहयोग करें।

उद्योग बंधु की बैठक कलेक्ट सभागार में आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उद्योग बंधु की की बैठक कलेक्ट सभागार में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी महोदय ने की। बैठक में जीएसटी की संशोधित दरों के संदर्भ में व्यापक पैमाने पर विचार विमर्श किया गया एवं व्यापारियों की समस्याओं के संदर्भ में भी चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि अभी-अभी हाल में बढ़ौली गांव में करंट लगने से चाची एवं भतीजे की मृत्यु हो गई थी। आगामी दिनों में त्योहारों का सीजन आ रहा है। ट्रांसफार्मरों पर लोड भी बढ़ेंगे मुख्यालय पर लगाए गए आधिकाधिक संख्या में लगाए गए ट्रांसफार्मरों में न ही अर्थिंग है नहीं सुरक्षा घेरा है।जबकि हर ट्रांसफार्मर में अर्थिंग होना अनिवार्य है उन्होंने कहा कि अगर बिजली में किसी तरह का फाल्ट होता है तो अर्थिंग करंट को धरती की ओर मोड़ देती है इससे एक ओर जहां करंट का खतरा कम हो जाता है वहीं दूसरी ओर ट्रांसफार्मर व उससे जुड़े उपकरण भी जलने से बच जाते हैं बिना अर्थिंग के ट्रांसफार्मर चालू करना नियम विरुद्ध है उन्होंने कहा जिला मुख्यालय के रावटसगंज नगर में कुल 194 ट्रांसफार्मर लगे हैं जिनमें से 62 असुरक्षित है ऐसे में सब

कुछ राम भरोसे चल रहा है अभी कुछ दिनों पूर्व दरोगा जी की गली में शॉर्ट सर्किट से आग भी लग चुका है। नगर के अति व्यस्ततम धर्मशाला चौक पर टेढ़े खंबों पर 400 केबीए का ट्रांसफार्मर किसी तरह टिका है। नगर के अंबेडकर नगर में लगा ट्रांसफार्मर किसी हादसे को दावत दे रहा है ।श्री शर्मा ने कहा कि नगर में 3 करोड़ 5 लाख रुपए से बने परिवहन निगम के डिपो में मिर्जापुर जाने के लिए बसें खड़ी नहीं होती बल्कि वह फ्लाईओवर के नीचे खड़ी होती है जिसके कारण प्राय वहां जाम की समस्या हो जाती है वहीं दूसरे ओर पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा होने के कारण ग्राहकों को भी आए दिन खतरा बना हुआ है पूर्व में चोरी की कई घटनाएं भी घट चुकी है। चूंकि बसें खड़ी होने के कारण उपरोक्त स्थान पर भीड़ लगी रहती है जिसवेज कारणअराजक तत्व इसका फायदा उठाते हैं बैठक पर जनपद स्तर के अधिकारी उपायुक्त उद्योग जीएसटी वेज अधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

आयुष्मान भारत दिवस पर आयुष्मान,वंदना कार्ड हुआ वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आयुष्मान भारत दिवस पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोनभद्र में आयुष्मान भारत दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक भूपेश चौबे एवं नगर पालिका अध्यक्षा रूबी प्रसाद उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना वेज बारे में जनमानस को जागरूक किया गया, उक्त कार्यक्रम में 10 लाभार्थी जिनकी आयु 70 वर्ष या अधिक आयु पूर्ण हो चुकी थी, को आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण किया गया। कार्यक्रम में 05 लाभार्थी शिवपूजन सिंह उम्र 49 वर्ष, का रू0 49500-00, श्रीवंती उम्र 65 वर्ष 91200-00, जर्नादन उम्र 70 वर्ष रू0 32000-00, राजेन्द्र उम्र 60 वर्ष रू0 35000-00, लीलावती उम्र 72 वर्ष रू0 28000-00 जो आयुष्मान भारत योजना से लाभ प्राप्त कर चुके है. को मुख्य अतिथि द्वारा अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, नोडल अधिकारी आयुष्मान भारत, डा0 गणेश प्रसाद चिकित्सक एन0सी0डी0, रजत मिश्रा, डी0जी0एम0, जीतेन्द्र सिंह वुशवाहा, डी0ए0एस0एम0 आयुष्मान भारत सोनभद्र उपस्थित थे।

डायबिटीज रातों-रात नहीं होती,शरीर देता ये 8 संकेत, एक भी लक्षण दिखे तो न करें इग्नोर, तुरंत लें डॉक्टर की सलाह

नयी दिल्ली। द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया स्टडी के मुताबिक, साल 2019 में हर पांच में से दो लोग यानी लगभग 40फीसदी लोग यह नहीं जानते हैं

कि उन्हें डायबिटीज है। 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के हर पांच में से एक व्यक्ति को डायबिटीज है। ऐसे लोगों की संख्या 5 करोड़ से भी ज्यादा है। अगर डायबिटीज लंबे समय तक कंट्रोल न की जाए तो इससे शरीर के कई अंग प्रभावित होने लगते हैं। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी फेलियर, आई साइट कमजोर होने, नसों को नुकसान और पैरों में गंभीर समस्याए हो सकती हैं। इसके बावजूद भारत में कई लोग, खासकर बुजुर्ग, डायबिटीज को मैनेज करने में लापरवाही बरतते हैं। क्या आपको पता है कि ज्यादा प्यास लगना या बार-बार पेशाब जाना डायबिटीज का पहला संकेत हो सकता है? यह बीमारी दो मुख्य प्रकार की होती है- टाइप 1 और टाइप 2, टाइप 1 में शरीर इंसुलिन नहीं बना पाता, जो ज्यादातर बच्चों और युवाओं में होती है। टाइप 2 सबसे आम है, जहां शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता। अगर आपका वजन ज्यादा है या परिवार में किसी को डायबिटीज है, तो खतरा बढ़ जाता है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम डायबिटीज की शुरुआती संकेत जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- टाइप 1 और टाइप 2 में क्या फर्क है? कॉम्प्लिकेशंस के वॉर्निंग साइन्स क्या हैं? ब्लड शुगर को मैनेज कैसे करें? डायबिटीज क्या है और इसे समझना

क्यों जरूरी है? डायबिटीज ब्लड शुगर की समस्या है। हम जो खाते हैं, शरीर उसे इस्तेमाल करने के लिए ग्लूकोज में बदलता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा मिलती है। कोशिकाओं को ग्लूकोज इस्तेमाल करनेके लिए इंसुलिन हॉर्मोन की जरूरत पड़ती है। अगर इंसुलिन कम बने या सही काम न करे, तो ग्लूकोज ब्लड में ही रह जाता है। इससे थकान, कमजोरी और दूसरी परेशानियां महसूस हो सकती हैं। पूरी दुनिया में डायबिटीज के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर इसे समय पर डायग्नोज न किया जाए तो हार्ट प्रॉब्लम, किडनी फेलियर या आई साइट में वीकनेस हो सकती है। अच्छी बात यह है कि लाइफस्टाइल बदलकर इसे कंट्रोल किया जा सकता है। यह दो तरह का होता है, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज दोनों के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं। अगर ब्लड शुगर बढ़ गया है तो शरीर कुछ संकेत देता है। अगर ज्यादा भूख लग रही है तो इसका मतलब है कि कोशिकाओं को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पा रही है। इसलिए थकान भी लगने लगती है। बार-बार पेशाब जाना भी इसका बड़ा संकेत है। सामान्य व्यक्ति दिन में 4-7 बार पेशाब करता है, लेकिन डायबिटीज में किडनी ज्यादा शुगर बाहर निकालने की कोशिश करती है, तो पेशाब ज्यादा लगती है। इसमें प्यास भी ज्यादा लगती है। मुंह सूखना, स्किन ड्राई और खुजली होना, धुंधला दिखना- ये सब डायबिटीज के कॉमन लक्षण हैं। इसमें अचानक वजन भी कम हो सकता है, क्योंकि शरीर फैट और मसल्स जलाने लगता है। जब ब्लड शुगर कम होता है तो सिरदर्द भी हो सकता है। टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज में लक्षणों का फर्क- टाइप-1 के लक्षण अचानक और तेजी से दिखने लगते हैं। इसके लक्षण आमतौर पर बच्चों में देखने को मिलते हैं। इसके मुख्य लक्षण- ज्यादा पेशाब, प्यास, थकान और वजन कम हना हैं। टाइप-2 में लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं, ये कई सालों तक नजर नहीं आते हैं। लोग सोचते हैं कि उन्हें बढ़ती उम्र की वजह से थकान हो रही है। ये टाइप-2 डायबिटीज का संकेत हो सकता है। महिलाओं और पुरुषों में फर्क- महिलाओं और पुरुषों में लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं, लेकिन महिलाओं को डायबिटीज होने पर वैजाइनल इंफेक्शन या यूरिन इंफेक्शन ज्यादा हो सकता है। पुरुषों में मसल्स वीकनेस या सेक्शुअल प्रॉब्लम्स के लक्षण दिख सकते हैं। बच्चों में डायबिटीज के शुरुआती संकेत- बच्चों को आमतौर पर टाइप-1 होता है, यह 5-6 की उम्र से लेकर या 11-13 साल की उम्र में होता है। इसके लक्षणों में ज्यादा भूख-प्यास, बार-बार पेशाब, थकान, धुंधला दिखना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। लड़कियों में वैजाइनल इंफेक्शन और छोटे बच्चों में डायपर रैश की समस्या हो सकती है। टाइप-2 डायबिटीज से बच्चों को मोटापा हो सकता है, थकान, प्यास, डार्क स्किन जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। प्रेग्नेंसी में जेस्टेशनल डायबिटीज के संकेत-प्रेग्नेंसी में डायबिटीज के कोई खास लक्षण नहीं दिखते हैं। थोड़ी ज्यादा प्यास, बार-बार पेशाब, मुंह सूखना या थकान देखने को मिल सकता है। अगर वजन ज्यादा हो या फैमिली हिस्ट्री हो तो डॉक्टर 24-28 हफ्तों में टेस्ट करते हैं। डायबिटीज का

पता लगाने के लिए टेस्ट-ए1सी टेस्ट ब्लड शुगर की औसत बताता है। यह प्रतिशत में आता है- 5.7फीसदी से कमः नॉर्मलः 5.7-6.4फीसदी : प्री-डायबिटीज-6.5फीसदी या ज्यादाः डायबिटीज, डायबिटीज वाले लोगों के लिए 7फीसदी से कम टारगेट अच्छा है। प्रेग्नेंसी में ग्लूकोज चैलेंज टेस्ट होता है, जहां मीठा घोल पिलाकर ब्लड शुगर चेक करते हैं। डायबिटीज की कॉम्प्लिकेशंस के वॉर्निंग साइन- अगर डायबिटीज कंट्रोल न हो, घाव जल्दी नहीं भरते, स्किन में खुजली, यीस्ट इंफेक्शन, वेट गेन, गर्दन-कांख की स्किन डार्क होना, हाथ-पैर सुन्न होना, आंखें कमजोर होना, पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसे संकेत बताते हैं कि समस्या बढ़ रही है। डॉक्टर से कब कंसल्ट करें? अगर उम्र 45 साल से ऊपर हैं या रिस्क फैक्टर हैं, तो टेस्ट करवाएं। अगर पेट दर्द, बहुत प्यास, सांस तेज, सांस से नेल पॉलिश जैसी गंध आए तो- तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। शुरुआत में ही डायग्नोज होने से नर्व डैमेज और हार्ट प्रॉब्लम से बच सकते हैं। डायबिटीज को मैनेज कैसे करें?लाइफस्टाइल टिप्स- डायबिटीज मैनेजमेंट में डेली रूटीन। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए खानपान, एक्सरसाइज, दवाएं और स्ट्रेस मैनेजमेंट जरूरी है। खानपान से ब्लड शुगर होगी कंट्रोल हेल्दी ईटिंग सबके लिए जरूरी है, लेकिन डायबिटीज में और ज्यादा जरूरी है। खाने में कार्ब्स काउंटिंग या प्लेट मेथड यूज करें। प्लेट मेथड में आधी प्लेट नॉन-स्टार्ची सब्जियां, एक चौथाई लीन प्रोटीन और एक चौथाई हेल्दी कार्ब्स लें। स्वीट ड्रिंक्स कम पिएं। फाइबर वाली चीजें जैसे फल, सब्जियां, होल ग्रेन खाएं। रिफाइंड कार्ब्स जैसे व्हाइट ब्रेड और केक कम खाएं। एक्सरसाइज से मिलती है मदद एक्सरसाइज से कोशिकाएं स्वस्थ होती हैं और आसानी से शुगर यूज कर पाती हैं और इंसुलिन भी बेहतर काम करता है। हफ्ते में 150 मिनट मॉडरेट एक्टिविटी जैसे वॉकिंग, साइक्लिंग। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग 2-3 बार। एक्सरसाइज से पहले ब्लड शुगर चेक करें, अगर कम हो तो स्नैक्स लें। पानी ज्यादा पिएं।दवाएं और इंसुलिन-दवाएं समय पर लें। इंसुलिन को सही जगह स्टोर करके रखें। दवाएं खाने से पहले एक्सपायरी डेट जरूर देखें। पहले से दूसरी दवाएं ले रहे हैं तो डॉक्टर को इस बारे में भी जानकारी दें।बीमारी के समय-बीमार होने पर स्ट्रेस हॉर्मोन्स शुगर बढ़ाते हैं। ब्लड शुगर चेक करें, कीटोन्स टेस्ट कराएं, दवाएं खाते रहें, पानी ज्यादा पिएं। अगर वॉमिटिंग हो तो डॉक्टर को कॉल करें। पीरियड्स और मेनोपॉज-महिलाओं में पीरियड्स से पहले शुगर स्विंग्स होते हैं। इसे ट्रैक करें, प्लान एडजस्ट करें। मेनोपॉज के समय ज्यादा बार चेक करें। डायबिटीज से जुड़े कुछ कॉमन सवाल और जवाब- सवालः डायबिटीज से बचाव कैसे? जवाबः हेल्दी वेट रखें, रोज एक्सरसाइज करें, डाइट बैलेंस्ड रखें, स्मोकिंग और शराब छोड़ दें। सवालः बच्चों को डायबिटीज क्यों बढ़ रहा है? जवाबः बच्चों में मोटापा और कम फिजिकल एक्टिविटी के कारण डायबूज के केस बढ़ रहे हैं। इसके लक्षण दिखें तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवालः ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए बेस्ट टिप्स क्या हैं? जवाबः डेली चेकअप, स्ट्रेस मैनेज, हेल्दी ईटिंग। डॉक्टर से रेगुलर मिलें। इन टिप्स से डायबिटीज को कंट्रोल करना आसान है। याद रखें, छोटे बदलाव बड़े फर्क लाते हैं। अगर संकेत दिखें, तो डॉक्टर से बात करें। सेहत आपकी जिम्मेदारी है।

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से ऋषभ पंत बाहर,ध्रुव जुरेल होंगे मुख्य विकेटकीपर; चयनकर्ताओं की बैठक आज

नयी दिल्ली। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे ऋषभ पंत इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। वेस्टइंडीज

आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। यह सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। भारतीय चयनकर्ताओं की बैठक 24 सितंबर को होने वाली है, जिसमें अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी। यह टीम पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए घरेलू टेस्ट मुकाबलों की तुलना में दो खिलाड़ी कम होगी। पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। मैनचेस्टर में हुए चौथे टेस्ट में उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। हालांकि उन्होंने पहली पारी में बल्लेबाजी की, लेकिन आखिरी टेस्ट से पहले उन्हें एन जगदीशन से रिप्लेस कर दिया गया। वर्तमान में पंत बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। वह कंडीशनिंग पर काम कर रहे हैं और मेडिकल टीम की अगली रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अभी उनके क्रिकेट में सीरीज के बाद भारत को 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। ध्रुव जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज सीरीज में भारत के मुख्य विकेटकीपर होंगे। जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी। वह इस समय लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। एन जगदीशन, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ ओपनिंग करने के साथ जुरेल के साथ कीपिंग की जिम्मेदारी भी साझा की थी, बैकअप विकेटकीपर के रूप में टीम में जगह पा सकते हैं। नितीश कुमार और देवदत्त पडीक्कल को मौका मिल सकता है इस सीरीज के लिए आंध्र प्रदेश के नितीश कुमार रेड्डी और कर्नाटक के देवदत्त पडीक्कल को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। देवदत्त पडिक्कलः ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 150 रन की पारी के बाद चर्चा में हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में नंबर 3 पर बल्लेबाजी की थी, जहां उन्होंने ओ और 25 रन बनाए थे। नितीश कुमार रेड्डीः इंग्लैंड में घुटने की चोट से उबरने के बाद ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए स्क्वॉड में शामिल हैं। वह सात टेस्ट खेल चुके हैं और ऑलराउंडर के रूप में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत तीसरे स्थान पर भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाली यह दो मैचों की सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। फिलहाल भारत अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ की थी। वहीं, वेस्टइंडीज अब तक खेले गए तीनों मैच हारकर छठे स्थान पर है।

छह साल बाद सीएबी अध्यक्ष बने सौरव गांगुलीःबोले- ईडन गार्डन्स की क्षमता 1 लाख तक बढ़ाने का लक्ष्य

नयी दिल्ली। सौरव गांगुली 6 साल बाद क्रिकेट होगा। गांगुली के मुताबिक उनकी कोशिश रहेगी कि इस के साथ जुड़े रहे हैं। वे 2021 में आईसीसी मेंस क्रिकेट

एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष बन गए हैं। कोलकाता में हुई 94वीं वार्षिक बैठक में उन्हें निर्विरोध चुना गया। अपने कार्यकाल में गांगुली ने ईडन गार्डन्स स्टेडियम की दर्शक क्षमता 1 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अभी यह 68 हजार है। इसके लिए आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के बाद काम शुरू मेगा इवेंट में कोलकाता को बड़े मैचों की मेजबानी भी मिले। गांगुली इससे पहले 2015 से 2019 के बीच भी संघ के अध्यक्ष रहे हैं। इससे पहले भी गांगुली 2015 से 2019 तक सीएबी अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके बाद वह 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष रहे। तब से वे टी-20 फ्रेंचाइजी सर्किट में कई टीमों कमेटी के अध्यक्ष बने थे। उन्हें अनिल कुंबले की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था। गांगुली कोच चुनने वाली समिति का भी हिस्सा थे। 2017 में रवि शास्त्री को मुख्य कोच चुनने वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) में गांगुली सदस्य थे, जिसमें सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण भी शामिल थे। हाल ही में गांगुली एसए 20 के चौथे सीजन के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच बने हैं। वह पिछले सप्ताह एसए20 की नीलामी में भी मौजूद थे। यह किसी टी-20 फ्रेंचाइजी टीम के हेड कोच के रूप में उनका पहला कार्यकाल है। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के मेंटर भी रह चुके हैं। गांगुली का क्रिकेट करियर लगभग 16 साल का रहा- गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली। गांगुली ने अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े। उनका वनडे में बेस्ट स्कोर 183 रन रहा, जो उन्होंने 1999 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। वह साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया। 2002 में लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म

और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती

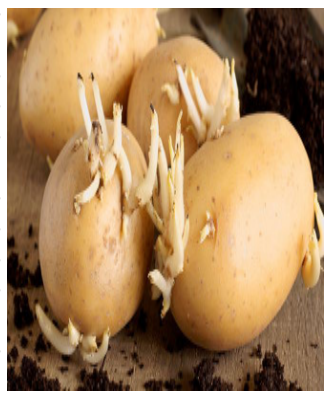

महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

क्विंटन डी कॉक वनडे रिटायरमेंट से लौटेःपाकिस्तान के खिलाफ साउथ अफ्रीका टीम में शामिल; बवुमा टेस्ट से बाहर

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बैटर क्विंटन डी कॉक ने संन्यास से वापसी करने का फैसला किया है। 32 साल के डी कॉक ने 2023 वर्ल्ड कप के

बाद वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उस समय वह 30 साल के ही थे और इस फैसले ने सभी को चौंका दिया था। उन्होंने 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान किया। डी कॉक को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीकी टीम में जगह मिली है। वहीं, टेस्ट कप्तान टेम्बा वबुमा को चोटिल होने की वजह से टेस्ट स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह एडेन मार्कराम कप्तानी करेंगे।डी कॉक 155 वनडे में 6770 रन बनाए डी कॉक ने वनडे करियर में अभी तक 155 मुकाबले खेले हैं। इसमें उनके नाम 96.64 की स्ट्राइक रेट से 6770 रन हैं। डी कॉक इस फॉर्मेट में 21 शतक के अलावा 30 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। 2023 वर्ल्ड कप में उन्होंने 10 पारियों में 107 की स्ट्राइक रेट से 594 रन बनाए थे। इसमें चार शतक शामिल थे। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद तीसरे नंबर पर रहे।अक्टूबर में पाक दौरे पर जाएगी साउथ अफ्रीकी टीम साउथ अफ्रीका को अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान के दौरे पर जाना है। वहां दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट के अलावा तीन वनडे और इतने ही टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। 12 अक्टूबर से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। इसके बाद 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होंगे। 4 से 8 नवंबर के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में डिकॉक ने साउथ अफ्रीका के लिए अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम मैथ्यू ब्रीट्जके (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, जेराल्ड कूट्जी, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, सिनेथेम्बा केशिले। पाकिस्तान से टी-20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम डेविड मिलर (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, एंडिले सिमलेन, लिजाड विलियम्स। पाकिस्तान के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टेस्ट टीम एडेन मार्कराम (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जेनसन, केशव महाराज, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, प्रेनेलन सुब्रायन और काइल वेरेन।

'पॉटरी कला' को 'नया योग' क्यों कहा जा रहा है?

इस रविवार, वाट्सएप मैसेज का बैकलॉग चेक करते समय मैंने अपने एक दोस्त के स्टेटस पर तस्वीर देखी। वह क्ले से बनी कुछ सजावटी व प्राचीन चीजों के बीच खड़ा था। जब मैंने ये जानने के लिए तस्वीर पर क्लिक किया कि वो कहां है, तो मैं हैरान रह गया। सफेद पैंट-शर्ट पहने हुए उसके हाथ क्ले में भिड़े थे और वह लालटेन पकड़े था। जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने मुझे एक और तस्वीर भेजी। इसमें हमारे कुछ अन्य परिचित भी उसके साथ रविवार की एक पॉटरी क्लास में पोज दे रहे थे। हर कोई पिछले तीन रविवार की क्लास में खुद की बनाई कलाकृति पकड़े था। पहले हफ्ते में उन्होंने कला सीखी, दूसरे हफ्ते में कप, गिलास या फूलदान बनाया और एक हफ्ते तक सूखने दिया। इस रविवार को उन्होंने उसे रंगा। उनके चेहरों पर सुंदर-

उपयोगी वस्तुएं बनाने की खुशी झलक रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि सिरेमिक व पॉटरी (क्ले या मिट्टी से कलात्मक चीजें बनाना) की दुनिया युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है। पिछले आठ-दस वर्षों में यह अपमार्केट सर्कल में एक ट्रेंड बन गया है। 1 से 12 हफ्तों के ये कार्यक्रम शहरी युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं? पहला कारण इसकी पहुंच है और दूसरा ध्यान केंद्रित करने वाला गुण। पहले क्ले पकाने के लिए भट्ठी एक बड़ी बाधा थी, पर आज ये छोटे एयर कंडीशंड स्टूडियो में उपलब्ध हैं। दबाव में काम करने वाले अधिकांश युवा समझ चुके हैं कि पॉटरी के चिकित्सीय लाभ हैं। मेरे एक मित्र ने कहा, 'ये ध्यान की तरह है, जो आपको दिनचर्या से अलग करने में मदद करता है। 'अधिकांश शिक्षित लोग इस प्राचीन कला की ओर लौट रहे हैं क्योंकि यह न केवल विज्ञान है, जिसमें सामग्री, ऑक्साइड, फायरिंग, ग्लेजिंग का ज्ञान जरूरी है, बल्कि कला भी है, जिसमें पेंटिंग है। आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि आखिर क्यों पॉटरी लोकप्रिय वेलनेस ट्रेंड बनता जा रहा है? इसके पीछे कई कारण हैं। 1. माइंडफुलनेस व मेडिटेशनः मिट्टी के साथ काम करने के लिए फोकस की जरूरत है, इससे मानसिक उथल-पुथल कम होती है। बार-बार चाक घुमाकर बर्तन बनाना या हाथ से आकार देना, दोनों ही क्रियाएं ध्यान की तरह शांतिप्रद और थेरेप्यूटिक होती हैं। 2. तनाव में कमीः मिट्टी को आकार देने का स्पर्श अनुभव व रचनात्मक प्रक्रिया दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने में मदद करती है। इसका सीधा असर होता है कि यह कोर्टिसोल को कम करता है। कोर्टिसोल एक ऐसा हार्मोन है जो तनाव और चिंता से जुड़ा होता है। 3. थेरेप्यूटिक लाभः कुछ लोगों के लिए शब्दों में अपनी बात कहना मुश्किल होता है। उनके लिए कुछ बनाना एक प्रकार का संवाद है। इसका एक स्पष्ट लाभ यह है कि यह स्क्रीन से डिस्कनेक्ट कर प्राकृतिक स्व के साथ जुड़ने का मौका देता है। पॉटरी मूर्त कला के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया आत्म-सम्मान और उपलब्धि की भावना को बढ़ा सकती है। 4. शारीरिक लाभः फायदों की सूची में ये सबसे निचले क्रम पर हो सकते हैं। लेकिन मिट्टी को गूंथने, आकार देने और मोल्ड करने की शारीरिक क्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है जो शारीरिक चोटों से उबर रहे हैं। मिट्टी के साथ काम करना फाइन मोटर स्किल्स और हाथ की दक्षता में सुधार कर सकता है। फंडा यह है कि पॉटरी कला युवाओं को उनकी व्यस्त जिंदगी से बचने का मौका देता है। यह कला, माइंडफुलनेस और रिलैक्सेशन का मिश्रण है और इस तरह यह 'नया योग' बनती जा रही है।

बुरी जीत से अच्छा है, शान से हार जाएं

1960 में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे केविन कार्टर रंगभेद युग में पले-बढ़े थे। गोरे होने के नाते उन्हें कई विशेषाधिकारों का आनंद लिया, पढ़ाई की और वायुसेना में शामिल हुए। 1980 में भेदभाव का सामना कर रहे एक अश्वेत का बचाव करने पर उन्हें पीटा गया। यह घटना उनकी जागृति का महत्वपूर्ण मोड़ बनी। 1983 में उन्होंने कुछ भयानक बम विस्फोट देखे और हिंसा से खिन्न होकर उन्होंने रंगभेद की भयावहता को उजागर करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। 1984 में वे जोहान्सबर्ग स्टार अखबार के फोटोग्राफर बन गए। अगले 10 वर्षों में केविन को विरोध प्रदर्शनों, अंतिम संस्कारों और पुलिस व रंगभेद विरोधी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की तस्वीरें लेने के लिए कई बार गिरफ्तार किया गया। 1993 में कार्टर को सूडान में एक असाइनमेंट मिला। सूखे और गृहयुद्ध से बर्बाद इस देश पर दुनिया के मीडिया ने तब तक बहुत कम ध्यान दिया था। केविन संयुक्त राष्ट्र के एक फूड-कैम्प में पहुंचे। वहां उन्होंने एक बच्ची को देखा, जो अकाल से ग्रस्त होकर मिट्टी में पड़ी थी। उसके बगल में एक गिद्ध लालचपूर्ण-धैर्य के साथ

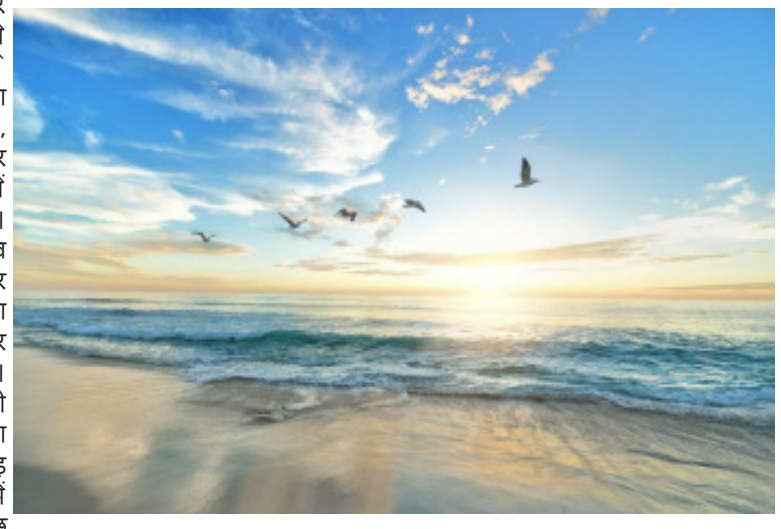

उसके मरने का इंतजार कर रहा था। केविन के शरीर की हर रग उस भयावह दृश्य को देखकर चीख उठी। उन्होंने यंत्रवत ही कैमरा उठाया और अनेक छायाचित्रों में हर कोण से उस बच्ची की पीड़ा को कैमरे में कैद कर लिया। उन्हें इस त्रासदी को दुनिया के सामने लाने वाला भयावह दृश्य मिल गया था। कुछ खबरों के मुताबिक केविन ने गिद्ध को भगा दिया था और उस कृशकाय बच्ची को उठाकर उसके कानों में फुसफुसाते हुए उसे सांत्वना दी थी कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। फिर उन्होंने बच्ची को बचाव दल को सौंप दिया था। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह तस्वीर उन्हें आजीवन परेशान करेगी। वापस लौटने पर उन्हें इस तस्वीर के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। लेकिन प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना और पड़ताल भी हुई। कई लोगों ने उनके इरादों पर सवाल उठाए और उन पर अपने निजी मकसद के लिए एक बच्ची की पीड़ा का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अप्रैल 1994 में जब केविन को पुलित्जर पुरस्कार मिला तो यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होनी चाहिए थी। लेकिन वह पुरस्कार उन्हें अपने उस असहनीय अपराध-बोध की याद दिलाने लगा। मुझे 1994 में जोहान्सबर्ग में केविन से मिलने का मौका मिला था, जब मैं नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने की घटना को कवर कर रहा था। इसके चार महीने बाद ही केविन ने 33 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। उसी साल (1994) और उसी देश (सूडान) से आठ साल के गुओर मारिअल गृह युद्ध के दौरान दक्षिण सूडान के एक शरणार्थी शिविर से भाग निकले थे। एक रात सैनिकों ने उनके घर पर छापा मारा था और एक राइफल के प्रहार से उनका जबड़ा तोड़ दिया था। वे बेहोश हो गए। बाद में उन्होंने खुद को एक शरणार्थी शिविर में पाया। उनके परिवार के 28 सदस्य मारे गए, लेकिन वे मिस्र भागने में सफल रहे, और फिर 16 साल की उम्र में स्थायी रूप से अमेरिका चले गए। चूंकि वे बचपन से ही सशस्त्र विद्रोहियों से भागते आ रहे थे, इसलिए 28 की उम्र में उन्हें 2012 के लंदन ओलिम्पिक में मैराथन के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला। तब सवाल उठा कि वे किस देश का झंडा लेकर चलेंगे? वे अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उनकी मातृभूमि दक्षिण सूडान को 2011 में ही एक स्वतंत्र देश का दर्जा मिला था। वह देश ओलिम्पिक में सम्मिलित होने की पात्रता को पूरा नहीं कर पाया था। यही कारण था कि जब गुओर के समक्ष सूडान का झंडा लेकर चलने की पेशकश की गई, तो उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया। क्योंकि सूडान से हुआ गृहयुद्ध ही उनके परिवार की हत्या के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने ओलिम्पिक ध्वज उठाया और वे पहले या तीसरे नहीं, बल्कि 47वें स्थान पर रहे। लेकिन पूरी दुनिया और मीडिया ने उनकी 'विजयी' हार का जश्न मनाया, क्योंकि उन्होंने मात्र एक साल पुराने एक देश को पहचान दी थी। फंडा यह है कि तय करें हमारे बच्चों को क्या चुनना चाहिए- एक विजयी हार को अपनाना या एक बुरी जीत का आनंद लेना।

अच्छी सड़कें सिर्फ जोड़ती नहीं हैं, जीवन को भी समृद्ध बनाती हैं

चेन्नई से 300 किलोमीटर दूर-दराज के एक गांव में एक महिला प्रसव पीड़ा में थीं। उन्हें मदद की जरूरत थी। बच्चा जन्म लेने वाला था। लेकिन उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सिर्फ सात किमी की दूरी तय करने में कई घंटे लग जाते। लेकिन यह जोखिम भरा था क्योंकि रास्ते उबड़-खाबड़ थे, कावेरी नदी उफान पर थी और गर्भवती महिला के साथ तैरकर पार करना संभव नहीं था। ऐसे में सबसे आसान और तेज विकल्प था कि दाई को बुलाया जाए। वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, 'धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो।' इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है। यह खुशी नवजात के रोने की आवाज सुनकर थी। गली के कोने पर खड़े पुरुषों ने भी राहत की सांस ली। कुछ ने आसमान की ओर देखकर भगवान का धन्यवाद किया, तो कुछ ने अपनी गर्दन में लटके लॉकेट को उतारकर सम्मानपूर्वक अपनी आंखों पर लगाया। यह घटना 1940 की है और इसी तरह

मेरी मां का जन्म हुआ था। एक दशक बाद जब उनके सबसे छोटे भाई का जन्म हुआ, तो यह दृश्य दोबारा नहीं देखा गया, क्योंकि तब तक वहां पक्की सड़क बन चुकी थी और लोग बैलगाड़ी में एक घंटे से भी कम समय में गर्भवती महिलाओं को पास के अस्पताल ले जाने लगे थे। हाल ही में जब मैं उस गांव में गया, तो देखा कि अब वही दूरी, आपस में जोड़ती दो लेन की सड़कों के कारण मात्र 15 मिनट में तय हो जाती है। यह पुरानी यादें इस गुरुवार को तब ताजा हो गईं, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ नाशिक के इगतपुरी में हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन किया। 701 किमी लंबे नागपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किमी खंड के उद्घाटन के साथ ही महायुति द्वारा राज्य के विकास के लिए किया गया वादा पूरा हुआ। यह एक्सप्रेसवे अब राज्य के बंदरगाह आधारित विकास योजना के तहत 24 जिलों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से बंदरगाहों से जोड़ता है। अपने भाषण में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार एक और वादा पूरा करेगी, जो है एक्सेस-कंट्रोल्ड शक्तिपीठ हाईवे का निर्माण। महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों में चार शक्तिपीठ हैं। इनके जुड़ने से न केवल तीर्थयात्रियों को लाभ होगा, बल्कि इससे मराठवाड़ा के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, जिसकी अमेरिका जैसे विकसित देशों के अंतरराज्यीय हाईवे सिस्टम से तुलना की जा सकती है। इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका की सड़कें दुनिया की सबसे बेहतरीन सड़कों में गिनी जाती हैं। खासकर इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ये सड़कें न केवल परिवहन को सुगम बनाती हैं, बल्कि लॉजिस्टिक लागत को भी कम करती हैं। इससे व्यापारियों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलती है। यह नेटवर्क, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है, सुरक्षा में सुधार करता है और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है। इससे जीवन स्तर में भी सुधार होता है। सड़कों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा लाभ है। इसके अलावा, सड़क नेटवर्क पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और मनोरंजन जैसे संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। फंडा यह है कि अच्छी सड़कों का निर्माण केवल कनेक्टिविटी नहीं बढ़ाता, बल्कि जीवन को भी समृद्ध बनाता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा देश भी समृद्ध होता है, क्योंकि इनसे व्यापार और वाणिज्य में उछाल आता है।

भारत अब केवल कूटनीति पर ही निर्भर नहीं रहने वाला है

अब जब ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा होने आया है, उससे जुड़े कुछ निष्कर्षों को ठीक से समझ लेना जरूरी है। भारत की सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों और अन्य फेसिलिटीज पर जोरदार लेकिन ऐहतियाती और टारगेटेड हमला किया था।यहां तक ??कि आक्रमण का समय भी रात को इसलिए चुना गया ताकि नागरिकों को होने वाली क्षति से बचा जा सके। पाकिस्तान हाई-अलर्ट पर था, इसके बावजूद भारत ने सफलतापूर्वक उसकी डिफेंसिव-लाइंस को

भेद दिया और अपने लक्ष्यों पर प्रहार करके कुछ आतंकवादियों का खात्मा करने में सफलता पाई। याद रहे कि इन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी शामिल हुए थे।इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से भारत के इंगेजमेंट्स की शर्तें हमेशा के लिए बदल गई हैं, क्योंकि अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें बहुत कम हासिल हो सका। यहां तक ??कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद प्रतिबंध समिति ने भी लंबे समय तक पाकिस्तान को अपने एक स्थायी सदस्य की छत्रछाया में रहने की अनुमति दी है।भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अब वह केवल उसी पर निर्भर भी नहीं रहेगा। इसके बजाय, भारत अब आतंकवाद का सैन्य-बल से जवाब देगा और किसी भी जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट और दृढ़ संकल्प के साथ सामना भी करेगा। लेकिन भारत पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों की धौंस दिखाने की अनुमति नहीं देने वाला।2016 में सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर 2019 में खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमले तक, भारत ने अपने अभियानों के दायरे का उत्तरोत्तर विस्तार किया है और ऐसा करते हुए नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों को लांघा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के गढ़ में प्रहार किए गए। भारत ने दिखाया है कि आतंकवाद का मुकाबला परमाणु-युद्ध को आमंत्रित किए बिना भी एक संतुलित सैन्य-प्रतिक्रिया से किया जा सकता है।पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अब जब भविष्य में कश्मीर या अन्य जगहों पर तबाही मचाने के लिए आतंकवादियों को भेजने पर विचार करेगा, तो पहले उसे खुद से पूछना होगा कि क्या वह भारत के जवाबी हमले के लिए भी तैयार है? उलटे इससे पाकिस्तान के लोगों को पानी की किल्लत हो सकती है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यही संदेश दिया था।जहां उसके बाद से भारत ने जलप्रवाह को मोड़ने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई है, लेकिन इस संदेश ने उपमहाद्वीप की भू-राजनीति को मौलिक रूप से बदल दिया है। भारत अब शांति के लिए बातचीत भर नहीं कर रहा है; वह पानी की निरंतर आपूर्ति के बदले में आतंकवाद की समाप्ति की मांग भी कर रहा है।ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को यह भी याद दिलाया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद से कितने गहरे ताल्लुक हैं। युद्ध विराम को अंजाम देने वाली परदे के पीछे की बातचीतों के बारे में नए विवरण निस्संदेह सामने आएंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि यह भारतीय सैन्य दबाव के बिना संभव नहीं था।इसके बाद अब निकट-भविष्य में भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसी कोई भी बातचीत- खासकर कश्मीर मुद्दे पर- फिलहाल दूर की संभावना है।वैसे भी कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मूल कारण नहीं है, यह तो पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अपने दावों को सही ठहराने के लिए फैलाया गया एक मिथक है। यह नैरेटिव एक ऐसे कट्टरपंथी तर्क पर आधारित है- जिसे हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दोहराया था- कि मुसलमान गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश में नहीं रह सकते।भारत व पाकिस्तान में कोई तुलना नहीं है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 11 गुना अधिक है और उसकी सैन्य-श्रेष्ठता के आगे भी पाकिस्तान नहीं टिकता। पाकिस्तान में उसकी फौज को हासिल अत्यधिक अधिकार, राष्ट्रीय बजट पर नियंत्रण, चीन और तुर्किए के साथ रणनीतिक गठबंधन उसे सशस्त्र संघर्ष को बनाए रखने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं, जबकि किसी भी पारंपरिक युद्ध में भारत हमेशा पाकिस्तान पर न केवल जीत हासिल करेगा, बल्कि उसे काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। भारत ने सीमापार आतंकवाद का सामना करने में जैसी दृढ़ता दिखाई, उस पर वह गर्व कर सकता है।अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें क्या हासिल हुआ? (शशि थरूर)

आपका टैरेस भविष्य में आपको 'पॉवर-फुल' बना सकता है!

हमने परिवहन में इलेक्ट्रिक कारों के विचार को स्वीकार कर लिया है। हमने पेसमेकर के विचार को भी अपना लिया है, जिसे दिल की धड़कनों को स्थिर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन अब अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार हो जाइए।आने वाले समय में इलेक्ट्रिक विमान भी होंगे और वही बिजली रुमाटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से लेकर ग्लियोब्लास्टोमा जैसे मुश्किल से इलाज होने वाले मस्तिष्क

कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर को ठीक करने के लिए भी तैयार हो रही है!जी हां, न केवल बीमारियों के संभावित उपचार के रूप में, बल्कि नई ग्रीन-टेक्नोलॉजी को अपनाकर 2050 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के अपने जलवायु-लक्ष्य तक पहुंचने में एविएशन क्षेत्र की मदद करने के लिए भी बिजली तैयार हो रही है।टोरंटो से 135 किमी दूर ओंटारियो के लिंडसे में एक छोटे-से हवाई अड्डे पर आपका स्वागत है। यहां होराइजन एयरक्राफ्ट लिमिटेड नामक कंपनी चुपचाप दुनिया का पहला हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग विमान बना रही है।इसे 'ईवीटीओएल विमान' के नाम से जाना जाता है! खोज और बचाव कार्यों, टाइट लैंडिंग्स, छोटे समूहों और क्षेत्रीय उड़ानों के लिए डिजाइन किए गए होराइजन का सात सीटर विमान पायलट सहित किसी हेलीकॉप्टर की तरह टेकऑफ और लैंड करता है, लेकिन वह 450 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करने में सक्षम है। कंपनी के सीईओ ब्रैंडन रॉबिन्सन को भरोसा है कि अगले 24 महीनों में उड़ान परीक्षण शुरू करने के लिए एक फुल-स्केल प्रोटोटाइप तैयार हो जाएगा।यदि आप 'ईवीटीओएल विमान' की मदद से दो घंटे की यात्रा करके अमेरिका के सिनसिनाटी विश्वविद्यालय जाते हैं, जो कि वहां से 800 किमी दूर है और पोर्ट्समाउथ, जो कि 900 किमी दूर है, तो आप नोवोक्योर नामक ऑन्कोलॉजी कंपनी के मुख्यालय में पहुंच जाएंगे।वे संयुक्त रूप से पता लगा रहे हैं कि डिवाइस के आकार को कैसे छोटा किया जाए और इलेक्ट्रिक फील्ड्स और पल्सेस को ऐसे कैसे ?उपयोग किया जाए कि इससे कैंसर के इलाज में मदद ली जा सके। उन्होंने पहले से ही ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जो ट्यूमर के विकास को धीमा करने के लिए शरीर के सेल-डि?वीजन में इलेक्ट्र?किल फोर्सेस को बाधित करती है।शरीर में विद्युत-घटकों के होने का यह नया विचार हमारे भविष्य के इलाज के तरीकों के बारे में हमारी सोच को बदल रहा है। नोवोक्योर के सीईओ एशले कॉर्डोवा का तो यही मानना ??है। 62 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर टिम नुगेंट जैसे ग्लियोब्लास्टोमा के रोगी पहले ही अपने सिर पर इलेक्ट्रोड्स युक्त पैचेस पहन रहे हैं, जो एक बैटरी पैक से इलेक्ट्रोड्स डिलीवर करते हैं।इसके पीछे यह सोच है कि सेल-डिवीजन को बाधित करने के लिए कम तीव्रता वाले इलेक्ट्रिकल फील्ड्स का उपयोग किया जाए। इनमें से कुछ निष्कर्ष अभी मानव परीक्षण के चरण में हैं। यह बताता है कि भविष्य में नई तकनीकें इस बात का दायरा बढ़ाने जा रहे हैं कि कैसे बिजली हमारे दैनिक जीवन में और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हो सकता है बिजली कैंसर का इलाज करने में कामयाब हो जाए।आने वाले वर्षों में हमारे जीवन का हिस्सा बन सकने वाली ये वैश्विक गतिविधियां एक प्रमुख बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

सोना ऑलटाइम हाई पर, रु1,343 महंगा होकर रु1.13 लाख पार-चांदी की कीमत भी रु1,181 बढ़ी, अब रु1.34 लाख प्रति किलो पर पहुंची

नयी दिल्ली। आज यानी मंगलवार, 23 सितंबर को सोने-चांदी के दाम एक बार फिर नए हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट

सोना 1,343 रुपए बढ़कर 1,13,498 पर पहुंच गया है। कल सोना रु1,12,155 के ऑल टाइम हाई पर था। वहीं, चांदी भी 1,181 रुपए महंगी होकर 1,34,050 रुपए पहुंच गई। कल इसका भाव 1,32,869 रुपए प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई पर था।इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 37,336 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,13,498 रुपए हो गया है।चांदी का भाव भी इस दौरान 48,033 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,34,050 रुपए प्रति किलो हो गई है। सोने की कीमतों में तेजी के 5 कारण- वैश्विक अनिश्चितताः ट्रम्प के टैरिफ प्लान और व्यापार युद्ध के डर से निवेशक सोने को सुरक्षित मानकर खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंकों की खरीदः चीन और रूस जैसे देश बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, जिससे मांग बढ़ी है। युद्ध और तनावः रूस-यूक्रेन के युद्ध खत्म न होने से अस्थिरता से लोग सोने में निवेश बढ़ा रहे हैं। महंगाई और कम ब्याज दरेंः मुद्रास्फीति के डर और फेडरल रिजर्व की कम ब्याज दरों से सोना आकर्षक हो गया है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावटः डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के चलते भी सोना महंगा हो रहा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बनी हुई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है और इसकी डिमांड भी बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 15 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी इस साल 1 लाख 40 हजार रुपए तक जा सकती है। सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान-1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें : हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एज़ेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। 2. कीमत क्रॉस चेक करें : सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट सोने का इस्तेमाल होता है।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आया,डॉलर के मुकाबले 10 पैसे गिरकर रु88.49 पर पहुंचा, विदेशी वस्तुएं महंगी होंगी

नयी दिल्ली। रुपया आज (23 सितंबर) डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। सुबह के

कारोबार में रुपया 88.49 तक लुढ़क गया, जो दो हफ्ते पहले के ऑल टाइम लो (88.46) को पार कर गया। सुबह रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ 88.41 प्रति डॉलर पर खुला। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ 88.31 पर बंद हुआ था। ये गिरावट तब हुई जब एशियाई बाजारों में डॉलर में थोड़ी सी कमी आई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रुपए में इस गिरावट की वजह एशियन करेंसी की कमजोरी और अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना है। ऊपर से अमेरिकी टैरिफ और एच1बी वीजा फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर किया जाना है। इस वजह से रुपए पर दोहरी मार पड़ी है।2025 में अब तक रुपया 3.25फीसदी कमजोर हुआ रुपया 2025 में अब तक 3.25फीसदी कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 88.49 के लेवल पर पहुंच गया है। करेंसी एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई नीतियां भी रुपये पर भारी पड़ रही हैं। हाल ही में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय गुड्स पर टैरिफ बढ़ाया है और एच1बी वीजा फीस 1 लाख डॉलर कर दी है। इससे न सिर्फ भारत के एक्सपोर्ट कॉस्ट बढ़े हैं बल्कि आईटी सेक्टर पर भी सीधा असर पड़ सकता है। इम्पोर्ट करना महंगा होगा- रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इम्पोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी, तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 88.49 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी। डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में करेंसी डेप्रिसिएशन कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे वह इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन करता है। फॉरेन रिजर्व के घटने और बढ़ने का असर करेंसी की कीमत पर दिखता है।अगर भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर, अमेरिका के रुपए के भंडार के बराबर होगा तो रुपए की कीमत स्थिर रहेगी। हमारे पास डॉलर घटे तो रुपया कमजोर होगा, बढ़े तो रुपया मजबूत होगा। इसे फ्लोटिंग रेट सिस्टम कहते हैं।

राहुल बोले- वोट चोरी और बेरोजगारी का सीधा रिश्ता,युवा भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे, मोदी अपने पीआर और अरबपतियों के मुनाफे में व्यस्त

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को फिर से बीजेपी पर वोट चोरी के

आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि देश में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और इसका सीधा रिश्ता वोट चोरी से है। उन्होंने बिहार के बेरोजगार युवाओं का वीडियो शेयर कर लिखा- जब कोई सरकार जनता का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है तो उसका पहला कर्तव्य होता है युवाओं को रोजगार और अवसर देना। 'लेकिन बीजेपी चुनाव ईमानदारी से नहीं जीतती। वो वोट चोरी और संस्थाओं को कैद कर के सत्ता में बने रहते हैं। इसीलिए बेरोजगारी 45 साल के हाई लेवल पर पहुंच चुकी है।' राहुल ने कहा कि देश का युवा मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन मोदी जी सिर्फ अपने पीआर, सेलिब्रिटीज से अपना गुणगान करवाने और अरबपतियों के मुनाफे में बिजी हैं। युवाओं की उम्मीदों को तोड़ना और उन्हें हताश करना इस सरकार की पहचान बन चुकी है। राहुल ने कहा कि अब हालात बदल रहे हैं। भारत का युवा समझ चुका है कि असली लड़ाई सिर्फ नौकरियों की नहीं, बल्कि वोट चोरी के खिलाफ है। क्योंकि जब तक चुनाव चोरी होते रहेंगे, तब तक बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ते रहेंगे। अब युवा न नौकरी की लूट सहेंगे, न वोट की चोरी। भारत को बेरोजगारी और वोट चोरी से मुक्त करना ही अब सबसे बड़ी देशभक्ति है। इससे पहले भी राहुल गांधी कई बार आरोप लगा चुके हैं कि वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, वोटों का अवैध जोड़-घटाव और संस्थानों का दुरुपयोग कर चुनाव जीते गए। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने महादेवपुरा और आलंद जैसे इलाकों में इसके उदाहरण भी सामने रखे हैं और आने वाले समय में और भी सबूत जनता को दिखाए जाएंगे। राहुल ने 20 सितंबर को कहा था- 'वह जल्द ही ऐसा सबूत सामने लाने वाले हैं जिससे साबित हो जाएगा कि नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने वोट चोरी कर चुनाव जीते।' राहुल ने इसे 'हाइड्रोजन बम' करार दिया और कहा कि उनके पास खुले-और-बंद सबूत हैं।

ऑपरेशन सिंदूर शहीद के परिवार से वसूला शोकसभा का खर्च,परिजन बोले- पंचायत ने 52 हजार लिए,गांव का नाम बदलने की सीएम की घोषणा अधूरी

फरीदाबाद। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हुए पलवल के लांसनायक दिनेश शर्मा के परिजन आहत हैं। पिता दयाचंद का कहना है कि उनके शहीद बेटे की शोकसभा के नाम पर सरपंच ने 52 हजार रुपए वसूल लिए। जहां शहीद के नाम पर पार्क बनाने की घोषणा हुई, वो जोहड़ की जमीन है, वहां पार्क बन ही नहीं सकता। यही नहीं, शोक जताने पहुंचने सीएम नायब सिंह सैनी ने गांव मोहम्मदपुर का नाम बदलकर दिनेशपुर करने की घोषणा की थी। पंचायत अब इसके लिए सहमत नहीं है। पिता दयाचंद ने बताया कि वे हाल ही में पलवल के डिवीजनल कमिश्नर (डीसी) से मिले थे। इसमें उन्होंने दिनेश को लेकर की गई सीएम घोषणा के बारे में बात की। डीसी ने यह कहकर लौटा दिया कि जब तक पंचायत गांव का नाम बदलने का प्रस्ताव पास करके नहीं देगी, तब तक वे कुछ नहीं कर सकते। अब परिवार सीएम नायब सैनी से मिलेगा। दूसरी तरफ, श्रद्धांजलि सभा के खर्चे के लिए 52 हजार रुपए लेने के आरोपों को सरपंच कुमार युगपुरुष के पिता भूपराम पाठक नकार रहे हैं। उनका कहना है कि किसी से कोई पैसा नहीं लिया गया। सारा खर्च मैंने अपनी जेब से किया है। उधर, मंगलवार को लांस नायक के पिता ने पुलिस एक शिकायत दी, जिसमें सोमवार की रात 30 लोगों पर घर में घुसकर हमला करने का आरोप लगाया है। बताया कि इसमें उसके परिवार की 4 महिलाओं सहित कई लोग घायल हो गए। इस मामले में हसनपुर थाना प्रभारी दिनेश कुमार का कहना है कि शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पलवल के गांव मोहम्मदपुर निवासी शहीद लांस नायक दिनेश शर्मा (32) जम्मू के पुंछ इलाके में एलओसी पर तैनात थे। पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में भारतीय वायुसेना द्वारा की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान लगातार सीमा पर गोलीबारी कर रहा था। 7 मई को पाक ने फायर करना शुरू किया तो दिनेश अपने कुछ साथियों के साथ जवाबी फायरिंग करने लगे। तभी पाक की तरफ से एक बम उनके सामने गिरा, जिसमें ब्लास्ट होते ही दिनेश और उनके 4 साथी बुरी तरह घायल हो गए। बाद में अस्पताल में दिनेश की मौत हो गई। दिनेश शर्मा साल 2014 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। 11 साल में दिनेश की पोस्टिंग देश के कई राज्यों में रही। लास्ट पोस्टिंग जम्मू के पुंछ में थी। शहीद होने से कुछ समय पहले ही दिनेश का लांसनायक के पद पर प्रमोशन हुआ था। दिनेश अपने परिवार में 5 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके 2 छोटे भाई कपिल और हरदत्त भी सेना में अग्निवीर हैं। एक भाई पुष्पेंद्र पढ़ाई कर रहा है और विष्णु खेती में पिता का साथ देते हैं। शहीद दिनेश की पत्नी सीमा एडवोकेट हैं। उनके एक बेटा और एक बेटी है। 8 मई को शहीद हुए लांस नायक दिनेश शर्मा का पार्थिव शरीर उनके गांव पहुंचा, जहां पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। 20 मई को दिनेश की श्रद्धांजलि सभी रखी गई।

कंडक्टर को सस्पेंड किया तो सीएम को देना पड़ा इस्तीफा,ट्यूबवेल घोटाले में फंसे तो इंदिरा ने बचाया,लालू यादव के गुरु दरोगा राय की कहानी

पटना। साल 1970, एक रोज बिहार राजपथ परिवहन ने एक आदिवासी कंडक्टर को सस्पेंड कर दिया। काम में कोताही का आरोप लगा। इससे नाराज कंडक्टर सीधे चला गया बागुन सुम्ब्रई के पास। सुम्ब्रई

झारखंड पार्टी के बड़े आदिवासी नेता थे। कंडक्टर ने बागुन को पूरा मामला समझाया। उसकी बातें सुनकर बागुन सीधे मुख्यमंत्री दारोगा प्रसाद से मिलने पहुंच गए। उन्होंने सीएम से कहा कि कंडक्टर को बहाल कर दीजिए। सीएम साहब कुछ बोले नहीं। कुछ दिनों बाद बागुन फिर से मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। इस बार भी उन्होंने गोलमोल जवाब दिया- 'देखते हैं, कुछ करते हैं।' हफ्ता बीत गया, लेकिन मामला ज्यों का त्यों पड़ा रहा। बागुन भड़क गए। उनका गुस्सा इतना बढ़ चुका था कि उन्होंने दरोगा प्रसाद की सरकार गिराने का मन बना लिया। उन्होंने अपने 11 विधायकों के साथ सरकार से समर्थन वापस ले लिया। दिसंबर 1970 का तीसरा हफ्ता। बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट हुआ। नतीजे आए तो दारोगा प्रसाद को 144 वोट मिले और विरोध में 164 वोट। झारखंड पार्टी के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के विधायकों ने भी दरोगा प्रसाद के खिलाफ वोट दिया। इस तरह 22 दिसंबर 1970 को दरोगा प्रसाद की सरकार गिर गई। साल 1922 और तारीख 2 सितंबर। बिहार के सारण जिले का बजहिया गांव। यहां के एक साधारण से किसान परिवार में एक बच्चे का जन्म हुआ। पिता का सपना था बेटा बड़ा होकर पुलिस की वर्दी पहने। इसलिए नाम ही दरोगा रख दिया। पूरा नाम दरोगा प्रसाद राय। पिता खेती-बाड़ी करते थे और कम सुविधाओं में भी बेटे को पढ़ाने का जज्बा रखते थे। गांव के ही स्कूल में दरोगा प्रसाद की पढ़ाई शुरू हुई। अहीर जाति से आने वाले दरोगा जिस दौर में बड़े हो रहे थे, तब देश में आजादी के आंदोलन चल रहे थे। उन्हें कई क्रांतिकारी मिले। देशभक्ति की किताबें पढ़ीं। इन सबसे उनके मन में देश और समाज के लिए कुछ करने का विचार जागा। वे भी आंदोलनों में कूद पड़े। धीरे-धीरे राजनीति में भी दिलचस्पी बढ़ी, लेकिन घर चलाने के लिए मास्टरी की नौकरी जॉइन कर ली। इस बीच पार्वती देवी के साथ उनकी शादी हो गई। उनके 5 बेटे और 2 बेटियां हुईं। महात्मा गांधी के विचारों का दरोगा प्रसाद राय के दिलोदिमाग पर गहरा असर था। गांधीजी की हत्या के बाद उनके विचारों और सिद्धांतों के आधार पर 'सर्वोदयी संघ' बना। अप्रैल 1948 में आचार्य विनोबा भावे ने इसकी शुरुआत की। दरोगा प्रसाद भी इससे जुड़ गए।एक बार दरोगा प्रसाद के ही स्कूल में सर्वोदयी संघ का कार्यक्रम हुआ। बिहार के कांग्रेसी नेता और नेहरू कैबिनेट में मंत्री बाबू जगजीवन राम बतौर चीफ गेस्ट आए।कार्यक्रम में मास्टर दरोगा प्रसाद ने भाषण दिया। उनका अंदाज, तेवर और तर्क जगजीवन राम को जबरदस्त लगे। कार्यक्रम खत्म हुआ, तो उन्होंने दरोगा प्रसाद से कहा, 'कांग्रेस के लिए काम करो। संगठन से जुड़ जाओ।' दरोगा प्रसाद कांग्रेस के कार्यक्रमों में आने-जाने लगे। फिर साल आया 1952 का। देश में पहली बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए। जगजीवन राम ने बिहार की परसा विधानसभा सीट के लिए दरोगा प्रसाद का नाम आगे किया। टिकट भी दिलवाई। चुनाव जीतकर दरोगा प्रसाद विधायक बन गए। तब श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी। 1957 में बिहार विधानसभा का दूसरा चुनाव हुआ। दरोगा प्रसाद ने फिर से परसा से चुनाव लड़ा और विधायक बने। श्रीकृष्ण सिंह की सरकार में मंत्री भी बन गए। 1967 तक ये सिलसिला जारी रहा। इस दौरान दरोगा प्रसाद ने ग्रामीण विकास, कृषि, सिंचाई जैसे मंत्रालयों का जिम्मा संभाला। फिर दौर शुरू हुआ जोड़-तोड़ की गैर-कांग्रेसी सरकारों का। 16 महीनों में 4 सीएम बने। नौबत राष्ट्रपति शासन तक पहुंच गई। फिर 1969 में मध्यावधि चुनाव हुए। इस बार भी किसी को बहुमत नहीं मिला। दरोगा प्रसाद फिर से विधायक बने। अब उनका राजनीतिक कद इतना बढ़ चुका था कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा कर सकें। उन्होंने ऐसा किया भी, लेकिन भाग्य और समर्थन देने वाली पार्टियों ने दरोगा का साथ नहीं दिया। कांग्रेस के हरिहर सिंह के नाम पर गठबंधन और विधायकों में

सहमति बनी। उन्हीं के नेतृत्व में सरकार बनी। दरोगा फिर से मंत्री बने। हालांकि, ये सरकार 116 दिन ही चल पाई। उनके बाद भोला पासवान शास्त्री मुख्यमंत्री बने, लेकिन सिर्फ 12 दिन बाद उनका भी इस्तीफा हो गया। 6 जुलाई 1969 को राष्ट्रपति शासन लग गया। जनवरी 1970, राष्ट्रपति शासन के 6 महीने की मियाद पूरी हो चुकी थी, लेकिन कोई भी पार्टी चुनाव के लिए तैयार नहीं थी, क्योंकि सालभर पहले ही चुनाव हुए थे। ऐसे में फिर से सरकार बनाने की कवायद शुरू हुई। इसी बीच देश में एक बड़ा सियासी उथल-पुथल हो चुका था। 1969 में कांग्रेस के दो-फाड़ हो चुके थे। पहली इंदिरा गांधी वाली कांग्रेस (आर) और दूसरी ओल्ड गार्ड्स यानी मोरारजी देसाई, के. कामराज जैसे पुराने नेताओं वाली कांग्रेस (ओ)। इसका नजारा बिहार के कांग्रेसी विधायकों में भी दिखा। वो भी दो गुटों में बंट गए। 60 विधायकों ने कांग्रेस (आर) का दामन थामा, वहीं बाकी के 58 विधायकों ने कांग्रेस (ओ) को चुना। विधायक दल का नेता चुनने के लिए कांग्रेस (आर) के जनरल सेक्रेटरी हेमवती नंदन बहुगुणा को आलाकमान ने नियुक्त किया। फरवरी 1970 में बहुगुणा पटना पहुंचे। केदार पांडेय, राम लखन यादव जैसे दिग्गज कांग्रेसी नेताओं ने बहुगुणा से मुलाकात की और मुख्यमंत्री बनने का दावा किया। हालांकि, आलाकमान पहले ही नाम तय कर चुका था। बस नाम की घोषणा होनी थी। एक दिन पटना में कांग्रेसी विधायकों की बैठक हुई। बहुगुणा ने अध्यक्षता की। उन्होंने विधायक दल के नेता के लिए दरोगा प्रसाद के नाम का ऐलान किया। किसी ने कुछ नहीं कहा और उन्हें विधायक दल का नेता चुन लिया गया। उस वक्त कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर बाबू जगजीवन राम थे। उन्होंने ही अपने राजनीतिक शिष्य दरोगा प्रसाद का नाम आगे किया था। इंदिरा गांधी और बहुगुणा भी उनके फेवर में थे। वहीं पुरानी गठबंधन की सरकारों से कांग्रेस ये समझ चुकी थी कि ओबीसी चेहरे पर सभी राजी हो जाएंगे।। दरोगा प्रसाद की छवि भी ठीक थी। ऐसे में सभी उनके नाम पर राजी हो गए। विधायक दल का नेता चुनने के बाद अब बारी बहुमत जुटाने की थी। इसके लिए शोषित दल, झारखंड पार्टी और कुछ निर्दलीय विधायकों को लामबंद किया गया। उन्हें सरकार में शामिल किया गया। वहीं प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और सीपीआई ने सरकार को बाहर से सपोर्ट करने के लिए हामी भर दी। इस

तरह 16 फरवरी 1970 को बिहार के 10वें मुख्यमंत्री बन गए दरोगा प्रसाद। 14 अक्टूबर 1970 की सुबह। दिल्ली का प्रधानमंत्री आवास। बिहार के 21 कांग्रेसी विधायक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से मिलने पहुंचे। इस गुट का नेतृत्व विद्याकर कवि कर रहे थे। उन्होंने इंदिरा से दरोगा प्रसाद राय की शिकायत कर दी। कहा कि मुख्यमंत्री या तो खुद पद छोड़ दें या फ्लोर टेस्ट करवाएं। अगर वे नहीं हटे तो अगले आम चुनाव में पार्टी का जीतना मुश्किल हो जाएगा।20 मिनट की मुलाकात में विधायकों ने दरोगा प्रसाद, उनके मंत्रियों और कामों की जमकर शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि 6 महीने से राज्य में मुख्य सचिव का पद खाली है। अपराध बढ़ रहा है, नक्सली घटनाएं हो रही हैं। उनके मंत्री रिश्वत ले रहे हैं। शराब पीकर खुद बदनामी फैला रहे हैं। इससे पार्टी का नाम खराब हो रहा है। पॉलिटिकल साइंटिस्ट प्रो. उपेंद्र मिश्रा के रिसर्च पेपर 'बिहार पॉलिटिक्स (1967-1977)' के मुताबिक, पिछड़ों की पहचान और साफ छवि के साथ मुख्यमंत्री बने दरोगा प्रसाद राय सरकार चलाने में कमजोर नजर आ रहे थे। उन्होंने कांग्रेस और गठबंधन के नेताओं को साधने के लिए 6 महीने में 6 बार मंत्रिमंडल विस्तार किया, लेकिन उनकी लापरवाहियों के कारण उनके ही विधायकों ने मोर्चा खोल दिया। आखिर में एक बस कंडक्टर के कारण दिसंबर 1970 में दरोगा प्रसाद की सरकार गिर गई। 1972 में सीएम की कुर्सी गंवाने के बाद दरोगा प्रसाद ने फिर से चुनाव लड़ा और विधायक बने। कांग्रेस को इस बार बहुमत मिला, लेकिन इंदिरा ने केदार पांडेय को सीएम पद के लिए चुना। केदार पांडेय पहले भी सीएम पद के लिए दावेदारी कर चुके थे और उनकी छवि एक सख्त नेता के तौर पर थी। दरोगा प्रसाद राय को कृषि मंत्रालय का जिम्मा मिला। दरोगा प्रसाद ने एक योजना शुरू की, जिसके तहत राज्य में ट्यूबवेल लगाए गए। उस वक्त बिहार के लोकायुक्त के पद पर आईसीएस अफसर श्रीधर वासुदेव सोहनी बैठे थे। उन्हें पता चला कि ट्यूबवेल लगवाने में गड़बड़ी हुई है। उन्होंने दरोगा प्रसाद पर हेराफेरी का आरोप लगाते हुए जांच शुरू कर दी। जुलाई 1973 आते-आते केदार पांडेय की जगह अब्दुल गफूर सीएम बने। हालांकि, दरोगा प्रसाद मंत्री बने रहे। प्रधानमंत्री कार्यालय में जॉइंट सेक्रेटरी रहे बिशन टंडन अपनी किताब 'आपातकालः एक डायरी' में लिखते हैं- 'दरोगा प्रसाद को लगाता था कि सोहनी उनके साथ कभी न्याय नहीं करेंगे। ऐसे में उन्होंने अब्दुल गफूर के साथ मिलकर सोहनी की नियुक्ति को ही असंवैधानिक करार देने की एक स्कीम बनाई। इसके लिए उन्होंने पटना हाईकोर्ट में केस दायर किया।' दरोगा प्रसाद ने जांच खत्म करने का जो तरीका अपनाया, वो सरासर गलत था। ये बहुत अटपटा था कि एक मंत्री अपनी ही सरकार के एक फैसले के खिलाफ केस कर रहा है। हालांकि, आलाकमान के कहने पर उन्होंने केस वापस ले लिया। बाद में कांग्रेस (ओ) के 3 विधायकों ने हाईकोर्ट में एक रिट दाखिल करवा दी। अगर रिट मंजूर हो जाती तो सोहनी की नियुक्ति रद्द हो जाती। साथ ही कई ऐसे कानूनी मामले खड़े हो जाते, जिनके घेरे में केंद्र सरकार भी आती। रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र के कहने पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस मामले में दखल देना शुरू किया। एक दिन पीएम ने मुझे फोन किया और सब कुछ बताया। कहा कि गृहमंत्री उमाशंकर दीक्षित और कानून मंत्री एच आर गोखले को इस मामले को देखना चाहिए। तब दीक्षित जी और गोखले जी ने कई बैठकें की। उनमें मैं भी था। इसके बाद मामला पटरी पर आया। 27 दिसंबर 1974 को केंद्र सरकार की कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें कोई खास बात नहीं हुई। हालांकि, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दरोगा प्रसाद राय के केस के बारे में बात की। तब मैंने इस पूरे मामले की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। बकौल बिशन टंडन बाद में प्रधानमंत्री ने माना कि उन्हें इस मामले में नहीं पड़ना चाहिए था। राजनीति, कानूनी और नौकरशाही की तमाम उठापटक के बाद दरोगा प्रसाद का ये मामला दब गया, लेकिन यहां से उनके करियर की रफ्तार धीमी हो गई। दरोगा प्रसाद के बाद पत्नी और बेटे ने परसा से चुनाव लड़ा, विधायक बने साल था 1977 का। बिहार में जनता पार्टी की लहर थी। चुनाव हुए तो दरोगा प्रसाद परसा सीट से खड़े हुए, लेकिन हार गए। 3 साल बाद 1980 में फिर से चुनाव हुए। सातवीं बार दरोगा प्रसाद विधायक बने, लेकिन 10 महीने बाद 15 अप्रैल 1981 को वे चल बसे। तब उनकी उम्र 59 साल थी। दरोगा प्रसाद के बाद परसा सीट पर उनका परिवार काबिज हो गया। 1981 में ही उपचुनाव में उनकी पत्नी पार्वती देवी ने चुनाव लड़ा और विधायक बनीं। 1985 के चुनाव में उनके बेटे चंद्रिका राय ने कमान संभाली। 6 बार परसा सीट से चंद्रिका विधायक बने। लालू के राजनीति गुरु थे दरोगा प्रसाद; परिवारों में रिश्तेदारी हुई, लेकिन आज अनबन 1970 का दशक। बिहार में सामाजिक न्याय, पिछड़े और दलित नेतृत्व का मुद्दा बुलंद हो रहा था। उस वक्त बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पटना यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। उन्होंने राजनीति में उतरने का मन बनाया। तब दरोगा प्रसाद राय ने उन्हें सपोर्ट किया। यहां तक कि उन्होंने पैसे भी दिए। 1970 में लालू ने पटना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन यानी पीयूएसयू का चुनाव लड़ा और प्रेसिडेंट बने। इसके बाद से लालू लगातार बिहार और देश की राजनीति में आगे बढ़ते गए। बाद में दरोगा प्रसाद के बेटे चंद्रिका राय ने लालू प्रसाद यादव से करीबियां बढ़ाईं। दोनों दोस्त बन गए। चंद्रिका ने लालू की पार्टी आरजेडी जॉइन की। विधायक और मंत्री बने। बाद में दोस्ती रिश्ते में तब्दील हो गई। 12 मई 2018 को लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप और चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या की शादी हुई। चंद्रिका और लालू समधी बने, लेकिन साढ़े 5 महीने में ही रिश्तों में दरार पड़ गई। शादी के 6 महीने भी नहीं बीते कि तेज प्रताप ने पटना के फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दे दी। तब से दोनों परिवारों में अनबन है। अभी भी तलाक का केस चल रहा है।

कहानी आशा भोसले की, भागकर शादी की,घरेलू हिंसा का शिकार हुईं, खुद को खत्म करना चाहा, सिंगिंग के साथ सफल रेस्तरां व्यवसायी भी बनीं

मुंबई। लीजेंड्री सिंगर आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा। उनकी आवाज की मिठास ऐसी है कि आज भी लोगों के दिलों पर

राज करती है। अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गीत गा चुकीं आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। 9 साल की उम्र में ही पिता का साया उठ गया। 16 साल की उम्र में जब आशा भोसले ने भाग कर परिवार वालों के खिलाफ बड़ी बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से शादी की, तब लता ने बहन से रिश्ता तोड़ लिया। शादी के बाद आशा भोसले को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और वह घरेलू हिंसा का शिकार भी हुईं। इतना ही नहीं, जिंदगी से इतना निराश हो गई थीं कि खुद को खत्म करना चाहती थीं। बहरहाल, 14 से अधिक भाषाओं में गीत गा चुकीं आशा भोसले की आवाज में 92 साल की उम्र में भी वही खनक और जादू बरकरार है। जबकि एक समय ऐसा भी था जब इसी आवाज को खराब बताकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से उन्हें निकाल दिया गया था।आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर 'दीनानाथ मंगेशकर' की बेटी और स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर

की छोटी बहन हैं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी। आशा की खासियत यह है कि उन्होंने हर तरह के गीतों में खुद को ढाला। चाहे वह रोमांटिक गाने हों, कैबरे सॉन्ग हो, गजल हो या फिर क्लासिकल संगीत। हर शैली में उन्होंने अपनी आवाज की अमिट छाप छोड़ी।आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में 31 साल के गणपतराव भोसले से 1949 में भागकर शादी की थी। गणपतराव, लता मंगेशकर के सेक्रेटरी थे। लता मंगेशकर इस बात से बहुत दुखी हो गई थीं और उन्होंने अपनी छोटी बहन से नाता तोड़ लिया था। जब आशा भोसले पहले बच्चे की मां बनीं, इसके बाद मंगेशकर परिवार ने उन्हें अपनाया, मगर ये बात गणपतराव को पसंद नहीं आई। गणपतराव नहीं चाहते थे कि आशा अपने परिवार से रिश्ता रखें, खासकर लता मंगेशकर से। गणपतराव ने आशा को पैसों के लिए परेशान करना शुरू कर दिया था और लता मंगेशकर से मिलने से भी रोका करते थे। दोनों के बीच झगड़े होने लगे। गणपतराव, आशा के साथ मारपीट भी करने लगे थे।कविता छिब्बर को दिए इंटरव्यू में आशा ने कहा था- मैंने बहुत कम उम्र में अपने से 20 साल बड़े आदमी से शादी कर ली थी। ये एक लव मैरिज थी और लता दीदी ने मुझसे लंबे समय तक बात नहीं की थी। उन्हें ये रिश्ता मंजूर नहीं था। गणपतराव का परिवार बहुत रूढ़िवादी था और वे एक सिंगिंग स्टार को एक बहू के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते थे। मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया और जब मैं अपने सबसे छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो मुझे घर से निकलने के लिए कह दिया गया और मैं अपनी मां-बहनों के पास वापस लौट गई। फिर भी मैं किसी को दोष नहीं देती और मेरे मन में किसी के लिए कोई बुरा नहीं सोचती।दोनों के तीन बच्चे हुए। 2 बेटे और एक बेटी। हालांकि, शादी के 11 साल बाद यानी 1960 में दोनों अलग हो गए। आशा भोसले की बायोग्राफी 'Asha Bhosle: A Life In Music' में उनकी जिंदगी से जुड़े तमाम पहलुओं के बारे में लिखा है। इसमें इस बात का भी जिक्र है कि गणपतराव ने कई बार आशा के ऊपर हाथ उठाया था। किताब के मुताबिक, गणपतराव ने आशा पर तब भी हाथ उठाया था जब वो प्रेग्नेंट थीं। कई बार उन्हें अस्पताल में भर्ती तक होना पड़ा था। किताब में बताया गया है कि आशा के ससुराल वाले काफी संकुचित सोच के थे। उनके पति काफी शॉर्ट-टेम्पर्ड आदमी थे। शायद आशा भोसले को दर्द देने में उन्हें मजा आता था। वो एक सैडिस्ट इंसान थे, लेकिन बाहर किसी को इस बारे में पता नहीं था। किताब में आशा भोसले ने कहा है- मैंने अपना पूरा कर्तव्य निभाया, जैसे हिंदू धर्म में पत्नी निभाती है।किताब के मुताबिक जब आशा भोसले अपने तीसरे बच्चे के लिए प्रेग्नेंट थीं, तो उनके ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया था। वो अस्पताल में भर्ती थीं और यही वो वक्त था, जब आशा ने खद की जान लेने की कोशिश की।किताब में आशा ने बताया है- एक वक्त पर मुझे लगने लगा था कि मैं अपनी जान ले लूं। मैं बीमार थी, चार महीने की प्रेग्नेंट थी, अस्पताल में हालत ऐसी थी कि लग रहा था कि यही नर्क है। मैं दिमागी तौर पर इतना टूट गई थी कि मैंने एक पूरी बॉटल स्लीपिंग पिल की खा ली, लेकिन मेरे बच्चे के लिए मेरा प्यार इतना बड़ा था कि उसने मुझे मरने नहीं दिया। मैं मरी नहीं और वापस आ गई। आशा ने इस रिश्ते से निकलने के कई सालों बाद मशहूर संगीतकार और सिंगर आर.डी बर्मन से शादी की थी।आशा भोसले ने दूसरी शादी संगीतकार आर डी बर्मन से 1980 में की। दोनों की पहली मुलाकात 1966 में फिल्म तीसरी मंजिल के गाने के दौरान हुई थी। इसके बाद आशा भोसले ने आर.डी. बर्मन की कई फिल्मों में गीत गाए। लगातार काम करते हुए दोनों की अच्छी दोस्ती हो गई और ये दोस्ती कब प्यार में बदल गई, पता ही नहीं चला। आर.डी. बर्मन ने एक दिन मौका पाते ही आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया। आशा ने इसके लिए तुरंत हां भी कर दिया था, लेकिन बर्मन की मां ने शादी से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने बर्मन से कहा कि अगर ये शादी होगी तो मेरी लाश पर ही होगी। बर्मन की मां शादी से इसलिए इनकार कर रही थीं, क्योंकि आशा

बर्मन से 6 साल बड़ी थीं और वो 3 बच्चों की मां थीं। तब बर्मन ने चुपचाप मां की बात मान ली। हालांकि, जब बर्मन के पिता

एस.डी. बर्मन का निधन हुआ, तो मां की मानसिक स्थिति बिगड़ गई। ऐसे में मां की हालत में सुधार के लिए बर्मन ने आशा भोसले से 1980 में शादी कर ली थी। आशा भोसले ने 50 से 90 के दशक के बीच ओपी नैयर, आरडी बर्मन, खय्याम और बप्पी लहरी जैसे कई संगीतकारों के साथ काम किया। कई सदाबहार गाने गाए, लेकिन एक समय ऐसा था जब उनकी आवाज को रिजेक्ट करके रिकॉर्डिंग स्टूडियो से वापस भेज दिया गया था।आरजे अनमोल के साथ बातचीत के दौरान आशा भोसले ने करियर के शुरुआती दौर के बारे में बात करते हुए कहा था कि एक बार खराब आवाज बताकर किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियों से निकाल दिया गया था। आशा भोसले ने बताया था- 1947 की बात है। किशोर कुमार के साथ फेमस स्टूडियों में राज कपूर और नरगिस स्टारर फिल्म 'जान पहचान' के लिए एक गाना रिकॉर्ड करने गई थी। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद प्रकाश थे। आजकल स्टूडियो एयर-कंडीशन्ड होते हैं और उनमें ढेर

सारी मशीनें होती हैं। उन दिनों दो ट्रैक वाली मशीनें हुआ करती थीं। एक ट्रैक संगीतकार और दूसरा ट्रैक गायक के लिए होता था। माइक भी सिर्फ एक ही रहता था और गायकों को उसके सामने खड़े होकर गाना पड़ता था। मैंने और किशोर दा ने गाना शुरू किया।इसके बाद हम चले गए और और महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन पहुंचे। हमारी शिफ्ट रात 8:00 बजे थी, लेकिन वहां से निकलने तक रात के 2:00 बज चुके थे। हम सीट पर बैठे रहे।

किशोर दा नाराज थे। उन्हें दुख भी हुआ। अच्छा नहीं महसूस कर रहे थे। मैंने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि दादा आपकी जो आवाज है, उसको कोई रोक नहीं सकता। किशोर दा को भूख लगी थी, फिर हमने बटाटा वड़ा और एक छोटा कप चाय का ऑर्डर दिया। कुछ चाय हमारे ऊपर भी गिर गई। फिर हम दोनों चले गए।आशा भोसले की आवाज जितनी मदहोश करने वाली है, उतना ही उनके हाथ का बना खाना है। आशा भोसले खाना पकाने की बहुत शौकीन हैं, उनके हाथों के बने कढ़ाई गोश्त और बिरयानी के मुरीद कई सेलेब्स हैं। दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर को आशा भोसले के हाथों का बना खाना बेहद पसंद था। एक इंटरव्यू के दौरान आशा भोसले ने कहा था कि ऋषि कपूर को उनके हाथ का शामी कबाब, कड़ाई गोश्त और काली दाल बहुत पसंद थी।इंटरव्यू के दौरान आशा भोसले ने यह भी बताया था कि अगर सिंगर नहीं होती तो पक्का कुक होतीं। गायिकी के साथ-साथ आशा भोसले ने अपने कुकिंग के शौक को भी जिंदा रखा। खाना पकाने के प्यार ने आशा भोसले को एक सफल रेस्तरां व्यवसायी के रूप में भी पहचान दिलाई है। सबसे पहले उन्होंने दुबई में आशाज नाम से रेस्टोरेंट खोला। इसे खुले दो दशक बीत चुके हैं। आशा भोसले के रेस्टोरेंट में उत्तर पश्चिमी भारतीय व्यंजन परोसा जाता है। आशा भोसले का रेस्टोरेंट दुबई के अलावा कुवैत, अबुधाबी, दोहा और बहरीन जैसे कई देशों में है। इन रेस्टोरेंट का संचालन वाफी ग्रुप द्वारा किया जाता है जिसमें आशा भोसले की 20 प्रतिशत भागीदारी है। आशा भोसले ने इन रेस्तरां में खाना बनाने वाले शेफ्स को खुद छह महीने तक अच्छा खाना बनाने की ट्रेनिंग दी है। आशा भोसले ने अपने 90वें जन्मदिन पर दुबई में म्यूजिक कॉन्सर्ट में परफॉर्म किया था। इस कार्यक्रम को लेकर मुंबई में हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आशा भोसले ने कहा था- उम्र तो महज एक आंकड़ा होता है। उम्र तो बढ़ती है, लेकिन दिल हमेशा जवान रहता है। इस उम्र में अभी भी खड़ी हूं, गाना गा रही हूं और अपने बच्चों के लिए अभी भी खाना पकाती हूं।

सिंगर जुबीन गर्ग का किया गया अंतिम संस्कार,दूसरे पोस्टमॉर्टम के बाद पार्थिव शरीर श्मशान ले जाया गया,राजकीय सम्मान से हुई अंतिम विदाई

गुवाहाटी। सिंगर जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार बीते दिन हुआ. उनके अंतिम संस्कार की रस्में सुबह करीब 10 बजे गुवाहाटी के पास सोनापुर के कामरकुची में

हुई।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा भी श्मशान घाट पहुंचे। आज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में जुबीन का दूसरी बार पोस्टमॉर्टम हुआ। पहला पोस्टमॉर्टम सिंगापुर में हुआ था। दूसरे पोस्टमॉर्टम के बाद जुबीन का पार्थिव शरीर श्मशान घाट ले जाया गया। अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। करीब 85 परिजन, रिश्तेदार और नजदीकी लोग इसमें मौजूद रहें। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मंगलवार को सरकार जुबीन गर्ग के शव का दूसरा पोस्टमॉर्टम कराएगी। इसका मकसद उनकी मौत में किसी गड़बड़ी की आशंका को खत्म करना है। सिंगर का पहला पोस्टमॉर्टम सिंगापुर में हुआ था। इससे पहले निधन के दो दिन बाद उनके पार्थिव शरीर को शनिवार को पहले दिल्ली और फिर रविवार सुबह स्पेशल प्लेन से गुवाहाटी पहुंचाया गया था। जैसे ही काफिला गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से काहिलीपारा स्थित उनके घर के लिए रवाना हुआ, हजारों फैंस अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े थे। जुबीन गर्ग का 19 सितंबर को निधन हो गया था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने कुछ वाटर एडवेंचर एक्टिविटी में हिस्सा लिया था। दावा किया जा रहा था कि सिंगर की मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए एक हादसे में हुई है। हालांकि, बाद में सिंगर की पत्नी ने साफ किया कि सिंगर की मौत स्कूबा डाइविंग में नहीं, बल्कि दौरा पड़ने से हुई है। जुबीन की पत्नी गरिमा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा था कि 19 सितंबर को जुबीन अपने 7-8 साथियों के साथ सिंगापुर में यॉट से एक आइलैंड में गए थे। इस दौरान उनके साथ ड्रमर शेखर और सिद्धार्थ भी मौजूद थे। ग्रुप के बाकी लोगों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी, लेकिन जुबीन ने नहीं। वे सभी साथ में याट से तैरने उतरे थे, लेकिन तभी जुबीन को दौरा पड़ा। सिंगर ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी, जिसकी वजह से उन्हें बचाया नहीं जा सका। गरिमा ने बताया था कि इससे पहले भी सिंगर को कई बार दौरे पड़ चुके थे। इससे पहले भी सिंगर को सिंगापुर में ही दौरा पड़ा था। एक बार और इसी तरह की स्थिति बन गई थी। तब सभी दोस्त उनकी तबीयत बिगड़ने पर तुरंत अस्पताल ले गए थे, जिससे उनकी जान बच गई थी। उन्हें सिंगापुर जनरल हॉस्पिटल के आईसीयू में 2 घंटों तक रखा गया था। जुबीन के निधन के बाद असम में उनके मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा समेत घटना के वक्त उनके साथ मौजूद सभी लोगों और इवेंट मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायत होने के बाद 20 सितंबर को गरिमा ने सिंगर के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से रोते हुए एक वीडियो जारी कर मैनेजर के खिलाफ दर्ज शिकायत वापस लिए जाने की अपील की थी। जुबीन का जन्म 18 नवंबर 1972 को असम के तिनसुकिया जिले में हुआ था।, गोलपारिया, कन्नड़, कार्बी, खासी, मलयालम, मराठी, मिसिंग, नेपाली, उड़िया, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, तिवा समेत 40 भाषाओं और बोलियों में 38 हजार से ज्यादा गाना गए। जुबीन असम के हाईएस्ट पेड सिंगर थे।

ठग सुकेश केस में जैकलीन फर्नांडिस को राहत नहीं,SC ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में याचिका रद्द करने से किया इनकार

नयी दिल्ली। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में एक्ट्रेस

जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने सुकेश से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले को रद्द करने की मांग की थी। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किया गया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने जैकलीन की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर जरूरत हो तो वह आगे चलकर सही समय पर दोबारा कोर्ट आ सकती हैं। जैकलीन की तरफ से सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष का मामला यही है कि उन्हें चंद्रशेखर से तोहफे लेते समय ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए थी। जस्टिस दत्ता ने कहा कि अभी तक कुछ साबित नहीं हुआ है, लेकिन ट्रायल से पहले इन आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता। आरोप जैसे हैं वैसे ही माना जाएगा। उन्होंने कहा, अगर एक दोस्त दूसरे को कुछ देता है और बाद में पता चलता है कि देने वाला किसी अपराध में शामिल है, तो मामला मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला ऐसे तोहफे पाने का नहीं है जो अनजाने में मिले हों। जैकलीन फर्नांडिस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख तब किया, जब दिल्ली हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को उनकी इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि उन्होंने कोई अपराध किया है या नहीं, इसका फैसला सिर्फ ट्रायल के दौरान ही हो सकता है। बता दें, जैकलीन उस समय विवादों में घिर गई, जब ठग सुकेश के साथ उनकी कुछ रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर बीते कई सालों से जेल में बंद है। जांच में सामने आया कि एक समय में जैकलीन, सुकेश के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। इसके चलते एक्ट्रेस भी जांच के दायरे में आ गई थीं। जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताते हुए जैकलीन से रिश्ता रखा था। उस समय वह उन्हें कई महंगे तोहफे भी देता था। वहीं, जैकलीन ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि वे नहीं जानती थीं कि सुकेश एक ठग है। जैकलीन के इनकार के बाद भी सुकेश अक्सर खास मौकों पर जेल से उनके लिए चिट्ठी लिखता है और उन्हें कोई ना कोई तोहफा देने का दावा करता है। ईडी द्वारा दायर मामले में जैकलीन आरोपी हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एक्सटॉर्शन केस में जैकलीन को गवाह बताया गया। ईडी के मुताबिक, जैकलीन से दोस्ती हो जाने के बाद सुकेश ने उनके ऊपर 7 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर दिए थे। सुकेश ने जैकलीन को ये चीजें गिफ्ट की थीं...महंगी ज्वैलरी-चार पर्शियन बिल्लियां57 लाख रुपए का एक घोड़ा, बहरीन में रह रहे जैकलीन के पेरेंट्स को 1.89 करोड़ की दो गाड़ियां (पोर्श और मसेराटी) जैकलीन के भाई को एसयूवी जैकलीन की बहन को सवा करोड़ की बीएमडब्लू कार.

पति चाहते हैं कि डिलीवरी के तुरंत बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम हो जाऊं, क्योंकि उन्हें मुझे छूने का मन नहीं करता

नयी दिल्ली। कभी-कभी मुझे लगता है कि ये सब सिर्फ किताबों की बातें हैं कि प्यार शरीर से नहीं, बल्कि मन से होता है। असलियत तो यही है कि कोई भी सिर्फ मन देखकर प्यार नहीं करता, पहली नजर तो सबकी बस शरीर पर ही जाती है। तभी तो मेरे पति (आशीष), जो कभी मुझसे बेइंतहा प्यार करते थे, आज मेरा प्यार नहीं देख पाते। उनकी नजर अब सिर्फ मेरे बढ़े हुए वजन पर जाती है। जब से बेटी का जन्म हुआ है, हर रोज मुझे यही सुनने को मिलता है की 'कितनी मोटी हो गई हो, कुछ करती क्यों नहीं हो? कमर तो देखो कमरा ही हो गई है। तुम्हें देखकर तो छूने का मन भी नहीं करता।' लेकिन उन्हें कोई कैसे समझाए कि अचानक से वजन कम नहीं हो जाता। इसके लिए समय लगता है। फिर अगर आप तो यह उम्मीद करें कि डिलीवरी के सिर्फ दो महीने बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम दिखने लगूं, तो ये कैसे मुमकिन है? अब कौन सी महिला नहीं चाहती कि वो खूबसूरत और फिट दिखे? लेकिन सच्चाई ये है कि हर चीज हमारे कंट्रोल में नहीं होती, खासकर

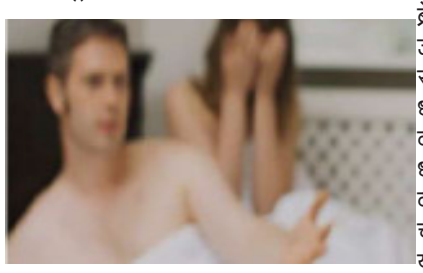

प्रेग्नेंसी के दौरान। इस फेज में ज्यादातर महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी बढ़ गया था। क्योंकि गर्भावास्था में शरीर को बच्चे की ग्रोथ और सेहत के लिए अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। इसके अलावा, अन्य फैक्टर, जैसे हार्मोनल चेजेंस, नींद की कमी और तनाव सहित अन्य फैक्टर भी मेरी समझ में शामिल होते हैं। मैं यह तो बल्कि कुल नहीं कहती कि बच्चे की देखभाल में पिता का कोई रोल नहीं होता, लेकिन सच्चाई यही है कि ज्यादातर काम मां के हिस्से में ही आते हैं। मेरा भी यही हाल है। दिन - रात ब्रेस्टफीडिंग, रात-रात जागकर बच्चे को सुलाना। खाने-पीने का ध्यान नहीं। इन सभी वजहों से मैं खुद पर ध्यान ही नहीं दे पाती। वहीं, अब तो हर तीसरे-चौथे दिन आशीष मुझसे यही कहते हैं की 'कितनी मोटी हो गई हो, जल्दी से वजन कम करो। एक रात की बात है मुझसे कहने लगे की अगर जल्दी से तुम पुरानी वाली अनामिका नहीं बनी तो फिर मेरा अफेयर अगर कहीं और हो जाए, तो मुझसे मत कहना।' फिर तुरंत हंसते हुए जोड़ देते की 'अरे, मैं तो मजाक कर रहा था।' ये सुनते ही मेरे आंसू निकल गए की आखिर आशीष ऐसा कैसे बोल सकते हैं। बाद में उन्होंने मुझसे सॉरी भी कहा। लेकि?न कहते हैं न कि? मजाक में ही वह बात कही जाती है, जो इंसान असलयित में कह नहीं पाता, आशीष के साथ भी कुछ ऐसा ही था। खैर जैसे- तैसे वो रात बीती और डेली रूटीन में बीजी हो गई।अब आशीष का हर दिन बस यही कमेंट सुनने को मिलता है कि मैं अच्छी नहीं दिखती, मेरे इतने भारी शरीर में तो उनके अंदर कोई फीलिंग ही नहीं जगती है। दूसरी औरतों को देखो वो मां बनने के बाद भी फिट हैं।आशीष की इस तरह की बातें अब अंदर ही अंदर मुझे तोड़ने लगी हैं। कई बार रातों को नींद तक नहीं आती। बेटी के पास चुपचाप लेटी रहती हूं और उनकी कही हुई बातें सोचकर चुपचाप रो पड़ती हूं। मन में बस यही ख्याल आता है कि जिस आदमी से मैंने सच्चे दिल से प्यार किया था, वही आज मेरे प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े हुए वजन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा, तो ये जिन्दगी भर मेरा क्या साथ निभाएगा ।मैं किस दर्द से गुजर रही हूं यह किसी से साझा नहीं की, लेकिन न जाने कैसे मेरी एक खास सहेली कुछ दिन पहले मुझसे मिलने घर आई और बातों-बातों में ही उसने भांप लिया कि मैं भीतर से परेशान हूं। उसने बार-बार पूछने की कोशिश की, मगर मैंने कुछ नहीं बताया। फिर भी उसने समझाते हुए कहा- 'देखो अनामिका, परेशानी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसे अपनी सेहत पर हावी मत होने दो।दोस्त ने आगे कहा- अगर अनामि?का तुम्हारी हेल्थ बिगड़ गई तो उससे बुरा कुछ नहीं होगा। और अपनी बेटी को देखो, उसके लिए तुम्हें मजबूत रहना है।' उसकी यह बात मेरे दिल को छू गई। तभी से मैंने ठान लिया कि अब आशीष की बातों पर सोचकर अपना मन नहीं दुखाऊंगी। उल्टा मैं अपनी बेटी और अपनी सेहत पर ध्यान दूंगी।

स्पाइडर-मैन 4 के सेट पर हादसा,स्टंट के दौरान एक्टर टॉम हॉलैंड के सिर में लगी चोट, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। हॉलीवुड एक्टर और स्पाइडर-मैन फेम टॉम हॉलैंड को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक स्टंट के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। उनके सिर में चोट आई है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में टॉम हॉलैंड फिल्म स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे की शूटिंग कर रहे थे। इस दौरान एक हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उनका एक स्टंट गलत हो गया, जिससे गिरने पर उनके सिर पर चोट लगी। टॉम हॉलैंड को माइनर कनकशन (हल्की मस्तिष्क चोट) में चोट आई है। और डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिनों के लिए आराम करने की सलाह दी है। इसके कारण उन्होंने फिल्म की शूटिंग से ब्रेक लिया है। हालांकि, उनकी हालत में अब पहले से सुधार हुआ है। स्पाइडर-मैन फ्रेंचाइजी के अलावा टॉम हॉलैंड ने 'अनचार्टेड' (2022) और 'चेरी' (2021) जैसी फिल्मों में काम किया है। हालांकि, स्पाइडर-मैन 4 जुलाई 2026 में रिलीज हो सकती है। शूटिंग शुरू होने से पहले ही टॉम हॉलैंड ने कहा था कि वह बहुत खुश हैं कि इस बार उन्हें स्कॉटलैंड जैसी खूबसूरत जगह पर शूट करने का मौका मिला। पिछली फिल्म 'स्पाइडर-मैनः नो वे होम' पूरी तरह स्टूडियो के अंदर शूट हुई थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।